सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-178
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रुपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर,गुरुवार 03 अक्टूबर 2024

आज का विचार

अनुभव, ज्ञान उन्मेष और वयस् मनुष्य के विचारों को बदलते हैं।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएं

सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके। शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणि नमोस्तुते॥

प्रत्याशी अपने विधानसभा क्षेत्र में उपयोग कर सकेंगे एक वाहन

वाहनों के स्वतंत्र आवागमन पर रहेगा प्रतिबंधः जिला मजिस्ट्रेट महावीर कौशिक

भिवानी, 2 अक्टूबर जिला मजिस्ट्रेट महावीर कौशिक ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला में सभी श्रेणी के वाहनों जिनमें तेज गति से चलने वाले दो पहिया वाहन भी शामिल है, के स्वतंत्र आवागमन पर प्रतिबंध लगा दिया है। जिलाधीश द्वारा जारी किए गए आदेशों में कहा गया कि तेज गति से चलने वाले दो पहिया वाहनों सहित विभिन्न श्रेणी के वाहनों के लिए शर्तें भी निर्धारित की गई है । यद्यपि चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र के भीतर एक वाहन का प्रयोग कर सकते हैं। इसके अलावा प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में संबंधित उम्मीदवार का चुनाव एजेंट अथवा वर्कर भी एक वाहन का प्रयोग कर सकता है । वाहनों के उपयोग के लिए आदेशों में निर्धारित की गई शर्तों के अनुसार एक वाहन में ड्राइवर सहित 5 से अधिक व्यक्तियों को अनुमति नहीं होगी । अगर उम्मीदवार अपने निर्वाचन क्षेत्र से अनुपस्थित है तो इस स्थिति में भी आवंटित वाहन का प्रयोग कोई अन्य व्यक्ति नहीं कर सकेगा। किसी भी नेता को किसी अन्य वाहन का उपयोग करने की अनुमति नहीं होगी । वाहनों के लिए अपेक्षित परमिट संबंधित विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी द्वारा जारी किए जाएंगे । संबंधित वाहन की विंड स्क्रीन पर परमिट को प्रदर्शित करना होगा । अगर परमिट किए गए किसी वाहन का उपयोग मतदाताओं को ले जाने के लिए किया जाता है तो इसे धारा 133 तथा 123(5)के तहत भ्रष्ट आचरण माना जाएगा । इस स्थिति में संबंधित व्यक्ति के खिलाफ जनप्रतिनिधि अधिनियम 1951 के तहत कार्रवाई अमल में लाई जाएगी । किसी उम्मीदवार अथवा उसके एजेंट द्वारा मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाने ले जाने के लिए निशुल्क वाहन उपलब्ध करवाना भी भ्रष्ट आचरण की श्रेणी में आता है और ऐसा करने पर सख्त मनाही है। आदेशों में कहा गया है कि उपरोक्त प्रतिबंध यांत्रिक शक्ति या अन्य किसी शक्ति से चलने वाले सभी वाहनों पर रहेंगे। इनमें टैक्सी, निजी कार , ट्रक ट्रेलर सहित या रहित ट्रैक्टर, ऑटो रिक्शा, ई रिक्शा, स्कूटर, मोटरबाइक व मिनी बस आदि शामिल है । यह आदेश मतदान के आरंभ होने के समय से 24 घंटे पहले प्रभावित हो जाएंगे और मतदान समाप्त होने तक लागू रहेंगे । जिलाधीश द्वारा जारी किए गए आदेशों में कहा गया है कि उपरोक्त निर्देशों का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई करने के साथ-साथ जनप्रतिनिधि अधिनियम 1951 और भारतीय नागरिक संहिता 2023 के प्रावधानों के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इन निर्देशों का उल्लंघन करने वाले सभी वाहनों को जब्त कर लिया जाएगा । आदेशों में कुछ वाहनों को छूट भी प्रदान की गई है । आदेशों के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग, अंतर राज्य मार्ग तथा राज्य उच्च मार्ग पर नियमित रूप से आवागमन करने वाले वाहनों को छूट रहेगी। चुनाव ड्यूटी के लिए प्रयोग होने वाले पुलिस व अन्य लोक सेवकों के वाहनों को भी छूट प्रदान की गई है । इसी प्रकार से आवश्यक सेवाओं के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहन जैसे अस्पताल वैन, एम्बुलेंस, दूध वैन, पानी के टैंकर, बिजली विभाग के वाहन,आपातकालीन ड्यूटी वैन, ड्यूटी पर तैनात पुलिस और चुनाव ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों के वाहन भी छूट की श्रेणी में है । इसी प्रकार से सार्वजनिक परिवहन वाहन जैसे निश्चित टर्मिनलों के बीच तथा निश्चित मार्गों पर चलने वाली बसें, टैक्सी, तिपहिया वाहन, स्कूटर व रिक्शा आदि जो हवाई अड्डे, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, अस्पताल जाने के लिए तथा ऐसी यात्राओं के लिए जिन्हें टाला नहीं जा सकता, को भी छूट रहेगी। ऐसे वाहन जो बीमार, वृद्ध, शारीरिक रूप से विकलांग मतदाताओं को ले जा रहे हैं, जो अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए मतदान केंद्र तक पहुंचने में असमर्थ है, को भी छूट प्रदान की गई है । इसके अलावा प्राधिकृत मीडिया कर्मियों द्वारा प्रयोग किए जाने वाले वाहन अर्थात ऐसे व्यक्ति जिन्हे भारत सरकार, भारत के चुनाव आयोग, मुख्य निर्वाचन अधिकारी हरियाणा या निदेशक जनसंपर्क हरियाणा या पत्र सूचना ब्यूरो द्वारा मान्यता प्रदान की गई है, को भी छूट प्रदान की गई है। आपातकालीन स्थिति में कोई अन्य वाहन जिसके लिए संबंधित विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी द्वारा विशेष कारणों का उल्लेख करते हुए परमिट जारी किया गया है, को भी छूट रहेगी। इसी प्रकार से मालिक द्वारा स्वयं या उनके परिवार के सदस्यों द्वारा प्रयोग किए जाने वाला वाहन जो मतदान केंद्र तक जाएगा, को भी छूट रहेगी । लेकिन ऐसे वाहन मतदान केंद्र की 200 मीटर की परिधि के अंदर नहीं जा सकते। इसके अलावा प्राइवेट वाहन जो मालिक द्वारा प्रयोग किया जा रहा है, लेकिन उसका संबंध चुनाव से नहीं है ,तो भी छूट रहेगी । यह आदेश 4 अक्टूबर को प्रातः 6 बजे से प्रभावित हो जाएंगे और मतदान के दिन 5 अक्टूबर को सांय 7 बजे तक समूचे भिवानी जिला में लागू रहेंगे।

इंदौर के देवी पंडालों में सीसीटीवी और ड्रोन कैमरे से नजर रखेगी पुलिस

इंदौर। नवरात्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस अलर्ट है। इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के बाद और भी सतर्कता रखी जा रही है। पुलिस ने समस्त गरबा आयोजकों को कार्यक्रम स्थल पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए हैं। निगरानी के लिए पुलिस भी ड्रोन कैमरों का इस्तेमाल करेगी। इसके साथ ही उन लोगों की सूची भी बनाई जा रही है जो पूर्व में विवाद कर चुके हैं।पुलिस आयुक्त (एडीजी) राकेश गुप्ता ने बुधवार को डीसीपी से लेकर एसीपी तक की बैठक ली। सभी अधिकारियों से कहा कि गरबा पंडाल और दुर्गा पूजन स्थलों की सूची बनाएं। आयोजकों, सदस्यों का सत्यापन करें। आयोजन की अनुमति ली है या नहीं इसकी भी पड़ताल करें। पहले कलेक्टर कार्यालय से अनुमति मिलती थी। कमिश्नोरेट के बाद एसीपी कार्यालयों से अनुमति लेना पड़ती है। शांति व्यवस्था बनाने के लिए शांति समिति की बैठक करके नागरिकों से समन्वय स्थापित करें। सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त बल तैनात करने और ड्रोन कैमरे से पेट्रोलिंग करने के निर्देश दिए गए।

स्वच्छ भारत मिशन के 10 सालः पीएम मोदी ने दी मप्र को सौगात

ग्वालियर की आदर्श गौशाला के कंप्रेस्ड बायोगैस संयंत्र का लोकार्पण

ग्वालियर। स्वच्छ भारत मिशन के 10 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को एक और बड़ी सौगात दी है। उन्होंने ग्वालियर की आदर्श गौशाला के कंप्रेस्ड बायोगैस संयंत्र का लोकार्पण किया है। पीएम मोदी ने दिल्ली के विज्ञान भवन से वर्चुअल अन्य संयंत्रों का भी शुभारंभ किया। ग्वालियर का यह प्लांट मध्य प्रदेश में अनोखा ऐसा प्लांट होगा जो 100 टन गोबर से 2 टन सीएनजी गैस बनाएगा। इस मौके पर ग्वालियर में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया , विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर सांसद और मंत्री मौजूद रहे। ग्वालियर में बनी आदर्श गौशाला अब आत्मनिर्भर गौशाला बनकर तैयार हो गई है। स्वच्छता के क्षेत्र में इस गौशाला ने मिसाल पेश की है। स्वच्छ भारत मिशन अभियान के 10 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बायोगैस संयंत्र हमारी स्वच्छता को आगे बढ़ाने में सराहनीय कदम है। ग्वालियर नगर निगम की आदर्श गौशाला में बनाए गए इस बायोगैस संयंत्र से सीएनजी बनाई जाएगी। इसमें 100 टन गोबर से 2 टन सीएनजी गैस रोज बनेगी। इससे निकलने वाला खाद कृषि की पैदावार बढ़ाने वाला होगा। यह ऐसी गौशाला है, जहां लगभग 10 हजार गायों को रखा जा रहा है। इस प्लांट से तैयार होने वाली सीएनजी से नगर निगम के वाहन तो चलेंगे ही दूसरे वाहनों के लिए भी इसका उपयोग किया जा सकेगा। लोकार्पण समारोह के दौरान केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इसे बायोगैस के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम बताया।

देश की पहली आधुनिक गौशाला- ग्वालियर की यह लाल टिपारा गौशाला देश की पहली आधुनिक और आत्म-निर्भर गौशाला है। इस गौशाला में इंडियन ऑयल कार्पोरेशन के सहयोग से 2 हेक्टेयर क्षेत्र में बायो सीएनजी प्लांट स्थापित किया गया है। इस प्लांट के संचालन के लिए 100 टन गोबर का उपयोग कर प्रतिदिन 2 टन तक सीएनजी और सर्वोत्तम गुणवत्ता का जैविक खाद 20 टन मिलेगा। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन प्लांट के संचालन एवं संधारण में भी सहयोग करेगा।

32 करोड़ रुपए की लागत से हुआ तैयार- इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की सीएसआर निधि से 32 करोड़ रुपए की लागत से यह प्लांट बना है। भविष्य में विस्तार की संभावना को रखते हुए एक हेक्टेयर की भूमि आरक्षित रखी गई है। गौशाला को और विस्तार देने सांसद निधि से 2 हजार गायों के लिए आधुनिक शेड निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपए की राशि दी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जताया आभार- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी 'वेस्ट टू वेल्थ' के विकास दर्शन के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होने संत समुदाय के प्रति भी आभार व्यक्त किया है जो गौ-माता की सेवा कर रहे हैं। राज्य सरकार इस प्रयास के विस्तार के लिये पूरा सहयोग देगी।

आदर्श उदाहरण है यह गौशाला- बायो सीएनजी प्लांट की स्थापना से पर्यावरण सुधरेगा। स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। गोबर धन के उपयोग से आर्थिक रूप से भी गौ-शाला आत्मनिर्भर बनेगी। ग्वालियर के आस-पास जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा। किसानों को इस प्लांट से गोबर की खाद उचित दाम पर मिल सकेगी। इससे ग्वालियर नगर निगम को भी सात करोड़ रुपए की आय होगी।

अब यूपी में भी एमपी जैसा कांड दलित युवक पर किया पेशाब

सोनभद्र। यूपी के सोनभद्र से मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक दलित युवक के साथ मारपीट और अमानवीय व्यवहार किया गया। कुछ युवकों ने बेरहमी से पीटने के बाद उसके ऊपर पेशाब किया। इस घटना से संबंधित एक वीडियो बुधवार को वायरल हो गया। जानकारी मिलने पर पुलिस भी एक्टिव हो गई और एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। यह घटना शक्तिनगर थाना क्षेत्र के चिल्काड़ाड़ का है। अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह ने बताया कि 26 सिंतबर की शाम करीब सात बजे बैरियर संख्या एक के पास पवन खरवार को अंकित भारती समेत अन्य सात-आठ युवकों ने घेर लिया और उसे मारा पीटा। इसके बाद उनमें से एक युवक ने पवन खरवार के ऊपर पेशाब किया। जबकि अन्य युवक खड़े होकर इसका वीडियो बनाते रहे। बुधवार को सोशल मीडिया पर ये वायरल हो गया। वीडियो में युवकों के द्वारा पवन को बेहरमी मारे और पेशाब की घटना साफ देखी जा सकती है। पवन के गले के पास शर्ट का कॉलर खून से लथपथ है और जमीन पर बैठा हुआ है। वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि एक हाफ पैंट पहना युवक उसके उपर पेशाब कर रहा है और कुछ लोग गली देते हुए वीडियो भी बना रहे हैं।

विश्व हिंदू परिषद की अपील

रामलीला के मंचों पर भगवान वाल्मीकि की हो पूजा

नई दिल्ली। नवरात्र के पहले दिन 3 अक्टूबर से पूरे देश भर में रामलीलाओं का मंचन भी प्रारंभ हो रहा है। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने सभी रामलीला कमेटियों को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि रामलीला के मंच पर रामायण के रचयिता भगवान वाल्मीकि का चित्र लगाया जाए और प्रतिदिन रामलीला का मंचन शुरू होने पर सबसे पहले भगवान वाल्मीकि की पूजा की जाए। रामलीला की प्रबंध समितियों में वाल्मीकि समुदाय के साथ-साथ हिंदू समाज के हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जाए, इसके लिए भी रामलीला कमेटियों को निर्देश दिए गए हैं। माना जा रहा है कि इसके जरिये विहिप जातियों में विभाजित हिंदू समुदाय को एक साथ एक सूत्र में जोड़ने की कोशिश कर रहा है। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के वरिष्ठ नेता कपिल खन्ना ने कहा कि भगवान राम का जीवन हिंदू समाज के लिए और पूरे विश्व के लिए कल्याण का मार्ग दिखाता है। लेकिन भगवान के जीवन चरित का यह ज्ञान भगवान वाल्मीकि के द्वारा ही दुनिया को प्राप्त हुआ है, इसलिए सबको भगवान वाल्मीकि की पूजा-अर्चना करनी चाहिए। ॉ

ग्वालियर में बांग्लादेश टीम के खिलाफ लगे 'वापस जाओ' के नारे

ग्वालियर। ग्वालियर में बुधवार को बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पहुंचते ही हिंदू महासभा ने जोरदार प्रदर्शन किया। हिंदू महासभा ने चेतावनी दी थी कि उनके लोग बांग्लादेश की टीम के आने का विरोध करेंगे। पुलिस प्रशासन भी उनकी धमकी को लेकर सजग था। फिर भी हिंदू महासभा के कई कार्यकर्ता सड़क पर झंडा लेकर उतर गए। इन लोगों ने बांग्लादेश वापस जाओ के नारे भी लगाए। बताया जाता है कि कई कार्यकर्ता पिच खोदने के लिए स्टेडियम की ओर रवाना हुए लेकिन पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। बताया जाता है कि हिंदू महासभा के कार्यकर्ता प्रदर्शन करते हुए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की ओर रवाना हुए। वे पिच को खोदना चाहते थे, लेकिन महाराज बाड़े पर पहुंचते ही पुलिस ने सभी को हिरासत में ले लिया। बाद में शांति भंग करने को लेकर पुलिस ने हिंदू महासभा के सभी कार्यकर्ताओ को गिरफ्तार कर लिया। हिंदू महासभा ने 6 तारीख को भी प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। वहीं हिंदू महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जयवीर भारद्वाज ने कहा कि बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार हो रहे हैं लेकिन हिन्दूवादी संगठन चुप्पी साधे बैठे हुए हैं।

देशभर में चर्चित छतरपुर के बागेश्वर धाम में शख्स ने लगा ली फांसी

छतरपुर। देशभर में चर्चित मध्यप्रदेश के छतरपुर स्थित बागेश्वर धाम में 37 साल के एक शख्स की लाश अन्नपूर्णा मंदिर के पीछे तेंदू के पेड़ पर लटकी मिली। मृतक युवक का नाम राम प्रसाद लोधी है। वह एमपी के कटनी जिले का रहने वाला था। मृतक रविवार की रात से अपने घर से लापता था और परिजनों ने कैमूर थाने में गुमशुदगी भी दर्ज कराई थी। मृतक के पास से पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला है जिसमे उसने अपने पारिवारिक कलह का जिक्र करते हुए लिखा है, मैं अपने जीवन को बालाजी को समर्पित करना चाहता हूं।मृतक राम प्रसाद के बेटे ने बताया की उसके पिता पहले एक सीमेंट कंपनी में काम करते थे। कुछ समय पहले उन्होंने वह काम छोड़ दिया था और अब वे घर में ही एक किराने की दुकान चलाते थे। पिता काफी गुस्से वाले थे। वे बात-बात पर गुस्सा हुआ करते थे। घर से निकलते वक्त भी वह झगड़ा करके ही निकले थे। अपना मोबाइल और उपयोग करने वाली सभी जरूरत की चीजें घर पर ही छोड़ गए थे। पिछले तीन दिनों से परिवार के लोग उन्हें तलाश रहे थे उनका कोई पता नही लग रहा था।

फिल्मी रामलीला में मिस यूनीवर्स इंडिया 2024 रिया सिंघा बनेंगी सीता

अयोध्या। अयोध्या की फिल्मी रामलीला तीन अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक होगी। फिल्मी रामलीला में इस बार माता सीता का किरदार मिस यूनिवर्स इंडिया 2024 रिया सिंघा निभाएंगी। जबकि सांसद मनोज तिवारी बालि व सांसद रवि किशन सुग्रीव के किरदार में नजर आएंगे। पिछले साल फिल्मी रामलीला को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 36 करोड़ लोगों ने देखा था। इस बार यह संख्या 50 करोड़ पहुंचने की संभावना है। फिल्मी रामलीला के अध्यक्ष सुभाष मलिक (बॉबी) और निदेशक शुभम मलिक ने संयुक्त रूप से कहा कि इस बार हम कुछ बदलाव कर रहे हैं। विश्व की सबसे बड़ी रामलीला अयोध्या की रामलीला में मां सीता के किरदार में मिस यूनिवर्स इंडिया 2024 रिया सिंघा दिखेंगी। यह पहली बार होगा जब कोई मिस यूनिवर्स इंडिया सीता का किरदार निभाने वाली है। रिया कहती हैं कि यह वर्ष मेरे लिए कई मायनों में खास है। प्रभु श्री राम के आशीर्वाद से मुझे विश्व की सबसे बड़ी रामलीला अयोध्या की रामलीला में सीता का किरदार निभाने का अवसर मिला।

महिलाओं के सम्मान का संकल्प...

नवरात्र का पर्व नारी के सम्मान का प्रतीक है। मान्यता है कि जिस घर में मां दुर्गा की पूजा होती है, वहां सुख और समृद्धि बनी रहती है। यह पर्व केवल देवी की मूर्ति की पूजा ही नहीं, बल्कि हर नारी, मां, बहन, बेटी का सम्मान करने का संदेश देता है। इस समय जो माहौल चल रहा है, उसे देखते हुए यह पर्व और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। इसलिए पर्व में कन्या पूजन के साथ ही हर महिला के सम्मान का भाव अपने आप में हमेशा के लिए समाहित करें। अगर आप देवी की पूजा करते हैं, तो केवल नवरात्र में ही नहीं, बल्कि हमेशा महिलाओं के प्रति आदर और सम्मान का भाव बनाए रखें। इस नवरात्र, महिलाओं के सम्मान का संकल्प लें और अपने व्यवहार में बदलाव लाएं, ताकि हर महिला चाहे वह मां हो, बेटी हो या अन्य कोई और सुरक्षित और सम्मानित महसूस कर सके।

मां को समय दें...

महिलाओं का सम्मान करने के लिए आपको कुछ खास करने की जरूरत नहीं है। शुरुआत अपने घर से करें। जैसे मां दुर्गा अपने भक्तों की रक्षा करती हैं, वैसे ही आपकी मां भी आपका पालन-पोषण करती हैं और आपकी भलाई के लिए काम करती हैं। लेकिन हम अपने व्यस्त जीवन में अकसर अपनी मां को नजरअंदाज कर देते हैं। इस नवरात्र, संकल्प लें कि आप अपनी मां के साथ समय बिताएंगे। उनका स्वास्थ्य और जरूरतों का ख्याल रखें। रोज कुछ समय अपनी मां के साथ बैठकर बात करें।

बहन-बेटी को स्वतंत्रता दें...

बहनें और बेटियां घर की खुशी होती हैं। देवी की पूजा करने वाले हर भक्त को अपनी बहन-बेटी की मुस्कान का ध्यान रखना चाहिए। बहन-बेटियों की सुरक्षा जरूरी है, लेकिन उन्हें बंदिशों में न बांधें। अकसर लड़कियां परिवार के पुरुष सदस्यों की इच्छाओं के मुताबिक जीवन जीती हैं। इस नवरात्र, संकल्प लें कि आप अपनी बहन-बेटियों को आजादी देंगे और उन्हें आत्मनिर्भर बनाएंगे।

पत्नी और बहू का सम्मान करें...

नवरात्र केवल कन्या पूजन तक सीमित नहीं है। मां, बहन, और बेटी का सम्मान करने वाले कई लोग अपनी पत्नी को वह आदर नहीं देते जो उन्हें मिलना चाहिए। पत्नी को गृहलक्ष्मी और अन्नपूर्णा कहा जाता है, इसलिए पत्नी और बहू का भी सम्मान करें। उन्हें महसूस कराएं कि ससुराल उनका अपना घर है, जहां उनका पूरा अधिकार है।

बेटी को शिक्षा दें...

अकसर बेटों को परिवार का भविष्य समझा जाता है, लेकिन बेटियों के सपनों को अनदेखा कर दिया जाता है। लेकिन बेटी भी घर की लक्ष्मी और अन्नपूर्णा होती है। अपनी बेटी को आत्मनिर्भर बनाएं और उसकी शिक्षा पर ध्यान दें। अगर आपकी बेटी का कोई सपना है, तो उसका साथ दें और उसे पूरा करने में मदद करें।

स्त्री का करें सम्मान...

हर महिला के प्रति आदर और सम्मान का भाव बनाए रखें। इस नवरात्र, महिलाओं के सम्मान का संकल्प लें और अपने व्यवहार में बदलाव लाएं, ताकि हर महिला चाहे वह मां हो, बेटी हो या अन्य कोई महिला सुरक्षित और सम्मानित महसूस कर सके। यह महिलाओं के हक की लड़ाई लड़ने का समय है। महिलाओं को हर जगह सुरक्षा मिले, इसके लिए संघर्ष करने का समय है। संकल्प लें कि आपके आसपास जो भी महिलाएं हैं, वे आपकी उपस्थिति में सुरक्षित महसूस करें।

सिंगल कॉलम

मेडिकल ऑफिसर के 895 पदों पर चल रही भर्ती प्रक्रिया पर रोक

इंदौर। एमपी पीएससी ने हाईकोर्ट के एक आदेश के बाद फिलहाल मेडिकल ऑफिसर भर्ती-2024 की चयन प्रक्रिया पर रोक लगा दी गई है। पीएससी ने सोमवार को इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया। मेडिकल ऑफिसर के 895 पदों पर भर्ती की यह प्रक्रिया चल रही थी, लेकिन हाईकोर्ट के आदेश के बाद यह प्रक्रिया रोकी गई। अब नई प्रक्रिया कब होगी, यह तय नहीं है। चयन प्रक्रिया पर रोक की जानकारी सोमवार को पीएससी ने वेबसाइट पर भी जारी कर दी। इसमें कोर्ट के निर्देश का जिक्र किया गया है। मेडिकल ऑफिसर के इन पदों पर नियुक्ति के लिए 30 अगस्त से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू की गई थी, जिसकी अंतिम तारीख 29 सितंबर थी। इसमें आयु गणना 1 जनवरी 2025 से की जा रही थी। एमपी पीएससी के जरिये मेडिकल ऑफिसर के पद पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों के पास एमबीबीएस की डिग्री होनी चाहिए या भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त कोई समतुल्य अर्हता होना चाहिए। इसके साथ ही अभ्यर्थियों का मध्यप्रदेश चिकित्सा परिषद में स्थायी पंजीकरण होना भी जरूरी है। प्रक्रिया में मेरिट आधार पर पदों की तुलना में पांच गुना अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। फिर फाइनल चयन सूची जारी होती है। इसमें आयु की गणना शर्त यह रही की आवेदन की संख्या अधिक होने की स्थिति में लिखित परीक्षा ली जा सकती है।

बुर्के जैसी ड्रेस माता मूर्ति को पहनाने पर बवाल, हिंदूवादी थाने पहुंचे

इंदौर। इंदौर के खजराना इलाके में मूर्ति कलाकारों द्वारा माता की मूर्ति को बुर्के जैसी ड्रेस पहनाने की सूचना पर हिंदूवादियों ने हंगामा कर दिया। हंगामे के बाद हिंदूवादियों ने थाने पहुंचकर पुलिस से मूर्तिकार और मूर्ति को नौ दिनों के लिए स्थापित करने वाले पर कार्रवाई की मांग की। घटना बुधवार देर शाम की है। टीआई मनोज सेंधव के मुताबिक हिंदूवादी नेता लक्की रघुवंशी ने अपने साथियों के साथ थाने पहुंच कर खजराना इलाके में रहने वाले बंगाली कारीगर द्वारा बुर्के वाली माताजी बनाने की शिकायत की है। शिकायत के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर तफ्तीश की तो बुर्के जैसी बात नही मिली। लेकिन मूर्तिकार को थाने में लाकर पूछताछ की गई है। जानकारी के मुताबिक मूर्ति बनाने वाला कारीगर हिंदू है। मूर्ति लक्की चौहान निवासी मालवीय नगर द्वारा बनवाई जा रही थी। पुलिस ने उससे भी बुलाकर पूछताछ की है। पुलिस ने हिंदूवादियों के आवेदन पर कार्रवाई की बात कही है।

दो साल के मासूम को ट्रैक्टर ने रौंदा, उपचार से पहले ही दम तोड़ा

इंदौर। इंदौर के गोंदवले धाम के पास दो साल के मासूम को तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने रौंद दिया। उसे तड़पता देख पड़ोसी दुकानदार तत्काल एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचा। लेकिन यहां उपचार शुरू होने के पहले ही उसकी मौत हो गई। द्वारकापुरी पुलिस के मुताबिक घटना प्रजापत नगर स्थित गोंदवले धाम के नजदीक की है। यहां मंगलवार शाम ट्रैक्टर ने 2 साल के मासूम सन्नी पुत्र गणेश बसंल को टक्कर मार दी। ट्रैक्टर के पीछे पानी का टैंकर जुड़ा था। हादसे में बच्चे के सिर में गंभीर चोट आई। पड़ोसी दुकानदार सचिन बच्चे को लेकर तत्काल एमवाय अस्पताल पहुंचा। यहां उपचार शुरू होने के पहले ही उसने दम तोड़ दिया। सचिन ने पुलिस को बताया कि बच्चा अपने घर के बरामदे से बाहर निकलकर खेल रहा था। हादसे के बाद सन्नी तड़पने लगा। मैं उसके पास दौड़कर गया और सीधे अस्पताल लेकर गया। वहीं ट्रैक्टर चालक भागने लगा। लेकिन रहवासियों ने उसे रोक लिया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। ट्रैक्टर चालक के पास दस्तावेज नहीं मिले हैं।

पानी की टंकी में मिली गाद, कांग्रेस पार्षद फावड़ा लेकर उतरे टंकी में

इंदौर। इंदौर में सुखलिया ग्राम वार्ड के एक कांग्रेस पार्षद ने गांधी जयंती पर पानी की टंकी की सफाई की। इस टंकी से 5 लाख से अधिक की आबादी को पेयजल सप्लाई होता है, लेकिन टंकी में मटमैला पानी और गाद भरी थी। जिसे फावड़े से कांग्रेस पार्षद राजू भदौरिया ने निकाला। पार्षद ने कहा इंदौर सफाई में नंबर वन है, लेकिन फिर भी यहां वर्षाजनित रोग हो रहे हैं। डेंगू, चिकनगुनिया कई क्षेत्रों में फैला है। लोग पिलिया, टाइफाइड के शिकार हो रहे है। इसकी सबसे बड़ी वजह है दूषित पानी की सप्लाई। शहर की पानी की टंकियां समय पर साफ नहीं होती। इससे लोग बीमार हो रहे है। बुधवार को पार्षद 80 फीट ऊंची पानी की टंकी पर फावड़ा लेकर गए। टंकी में जगह-जगह गाद थी और पानी मटमैला था। निगम कर्मचारियों के साथ मिलकर टंकी से गाद निकाली गई और उसे केमिकल से धोया गया।

स्वच्छता के 10 साल: महात्मा गांधी की जयंती पर ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में किया गया सफाई मित्रों का सम्मान, महापौर ने की घोषणा

इंदौर में बनेगा वेस्ट टू एनर्जी और ग्रीन वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में सफाई मित्रों का सम्मान किया गया। इस मौके पर नगर निगम के जोनल अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी, सीएसआई, दरोगा एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर एवं महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी ने सभी को संबोधित किया। महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने इंदौर शहर की स्वच्छता और इसे लगातार देशभर में नंबर एक पर बनाए रखने के लिए नागरिकों, सहयोगियों और विशेष रूप से सफाई मित्रों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इंदौर की यह उपलब्धि केवल जागरूक नागरिकों और सफाई मित्रों के समर्पित प्रयासों से ही संभव हो पाई है। उन्होंने कहा कि आज जब पूरे देश में स्वच्छता की बात होती है, तो सबसे पहले इंदौर का नाम आता है। यह हमारे लिए गर्व की बात है। इस अवसर पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने भविष्य की योजनाओं पर भी प्रकाश डाला, जिसमें इंदौर जल्द ही वेस्ट टू एनर्जी प्लांट शुरू करेगा। साथ ही, ग्रीन वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट भी जल्द ही क्रियान्वित होने वाला है।

दुनिया के कई देशों से बेहतर हैं हम

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इंदौर में स्वच्छता के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शहरवासियों, सफाई मित्रों और एनजीओ साथियों का अभिनंदन किया। इस विशेष अवसर पर महापौर ने कहा कि इंदौर शहर ने स्वच्छता के ऐसे मॉडल स्थापित किए हैं जिन्हें अब पूरी दुनिया में अपनाया जा रहा है। महापौर भार्गव ने बताया कि हाल ही में दिल्ली में हुई एक बैठक के दौरान विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने स्वच्छता पर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा जब यह चर्चा हुई कि किस शहर में कितने दिनों में कचरा उठाया जाता है, तो पता चला कि ऑस्ट्रेलिया के बड़े शहरों में 7 दिन में एक बार, न्यूयॉर्क में 3 दिन में एक बार और लॉस एंजेलिस में भी 3 दिन में एक बार कचरा उठाया जाता है। जबकि इंदौर में हर दिन कचरा उठाया जाता है और उसकी प्रोसेसिंग भी की जाती है।

इसके पीछे की ताकत हमारे सफाई मित्र, एनजीओ और समर्पित जनसमूह हैं, जिनके कारण इंदौर का सम्मान आज वैश्विक स्तर पर हो रहा है।

सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि जब हम स्वच्छता, स्मार्ट सिटी, मेट्रो, और प्रधानमंत्री आवास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर देशभर में चर्चा करते हैं, तो चर्चा के बाद देश के विभिन्न शहरों के महापौर और सभी अधिकारी हमसे मिलने आते हैं। वे यह पूछते हैं कि हमने अपने शहर को स्वच्छता में नंबर वन कैसे बनाया। मैं उन्हें बताता हूं कि यह हमारे इंदौर के सभी जनप्रतिनिधियों, नेतृत्व के मार्गदर्शन, और इंदौर की जनता के सहयोग से संभव हुआ है। इसके साथ ही, हमारे सभी अधिकारी और सफाई मित्रों की दिन-रात की मेहनत से इंदौर लगातार नंबर वन पर बना हुआ है। हम सब मिलकर प्रधानमंत्री के स्वच्छता के संकल्प को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे, और इंदौर को आठवीं बार स्वच्छता में आगे बढ़ाने का संकल्प करते हैं।

जन आंदोलन बन गया स्वच्छता अभियान

महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब पहली बार लाल किले से स्वच्छ भारत अभियान की घोषणा की, तो कई लोगों ने इसे एक साधारण घोषणा समझा लेकिन आज हम देख रहे हैं कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वच्छता के संकल्प को जन आंदोलन बनाकर पूरा किया गया है। ठाकुर ने यह भी कहा कि अब तक कई प्रधानमंत्री रहे हैं, जिन्होंने देश की आजादी और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है लेकिन स्वच्छता अभियान को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक सशक्त जन आंदोलन के रूप में विकसित किया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के नेतृत्व में इंदौर में एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया गया है, जिसके तहत 51 लाख पौधों का पौधारोपण किया गया है। इस अभियान ने पर्यावरण संरक्षण को एक नई दिशा दी है।

अनोखा भिखारी गैंग

दिन में भीख मांगकर रात में होटल में ठहने वाले 22 लोग पकड़ाए

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में एक ऐसा अनोखा भिखारियों का गुट पकड़ाया है, जिसके सदस्य दिन में सड़कों पर भीख मांगते थे, और रात में होटल में रुककर आराम करते थे। जिसके बाद शहर के अलग-अलग स्थानों पर भीख मांगने वाले 11 नाबालिग बच्चों समेत 22 लोगों के इस समूह को राजस्थान में उनके मूल निवास स्थान पर भेज दिया गया है। इस बारे में महिला एवं बाल विकास विभाग के एक अधिकारी ने बुधवार को जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को मिली एक शिकायत के आधार पर जांच की गई, तो पता चला कि राजस्थान से 22 लोगों का एक ग्रुप भीख मांगने इंदौर आया था और ये लोग एक होटल में ठहरे थे। उन्होंने कहा, इस समूह में 11 नाबालिग बच्चे और 11 महिलाएं शामिल थीं। ये लोग दिन भर शहर के अलग-अलग स्थानों पर भीख मांगते और रात में होटल में आकर सो जाते।

भीख मांगने वाले लोगों को होटल में न ठहराएं

अधिकारी ने बताया कि इस समूह के लोगों को समझा-बुझाकर राजस्थान में उनके मूल निवास स्थान भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि शहर के सभी होटलों, लॉज और अन्य रुकने वाली जगहों के संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे भीख मांगने वाले लोगों को कतई न ठहरने दें, वरना उनके खिलाफ कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

भिक्षावृत्ति से मुक्ति के लिए चल रहा प्रोजेक्ट

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने इंदौर समेत देश के 10 शहरों को भिक्षावृत्ति से मुक्त बनाने के लिए प्रायोगिक (पायलट) परियोजना शुरू की है इंदौर में प्रशासन ने भीख मांगने वालों पर प्रतिबंध लगा रखा है।

फरवरी में पकड़ाई थी लखपति भिखारिन

इससे पहले इस साल फरवरी में जब इंदौर को भिखारी मुक्त बनाने का अभियान चला था तो एक ऐसी महिला भिखारी पकड़ में आई थी, जो अपने दोनों बच्चों समेत भीख मांगने का काम करती थी। वह उज्जैन रोड पर लवकुश चौराहे पर भीख मांगती थी। उसका कहना था कि उस पैने दो महीने में चौराहे पर भीख मांगकर ढाई लाख रुपए कमाए थे और एक लाख रुपए उसने अपने सास-ससुर को भेजे थे। पूछताछ में महिला ने अपने पास कई संपत्ति होने का खुलासा भी किया था। उसने बताया था कि उसके पास एक जमीन, दो मंजिला घर, एक बाइक, 20 हजार रुपए का स्मार्टफोन भी है। इस महिला ने भी अपना घर राजस्थान में होना बताया

घर में बन रहा था केमिकल भड़की आग, एक की मौत

इंदौर। इंदौर में खातीवाला टैंक क्षेत्र के एक मकान में बुधवार को आग लग गई। मकान में केमिकल बनाने का काम होता था। आग में परिवार के लोग भी फंसे हुए थे। पांच लोगों को तो सुरक्षित निकाल लिया गया, लेकिन एक व्यक्तिकी मौत हो गई। बता दें कि आग लगने की घटना बैराठी कॉलोनी में हुई। आग मकान के निचले हिस्से में लगी थी। ऊपरी मंजिल पर परिवार के लोग फंसे थे। मकान के अंदर से उनकी आवाज भी आ रही थी। आसपास के लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिश की। लेकिन आग नहीं बुझ पाई। इसके बाद फायर ब्रिगेड की दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। ऊपरी मंजिल पर फंसे पांच लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। इस हादसे में अब्दुल कादरी नामक व्यक्ति की मौत हुई है। मकान में केमिकल बनाने का काम भी होता था। मौके पर विधायक मालिनी गौड़ भी आ गईं थी। बिल्डिंग में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि इस बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर बने फ्लैट को किराए पर लेकर केमिकल (टॉयलेट क्लीनर) बनाने का काम किया जा रहा था। ऊपर के फ्लोर पर बने फ्लैट में लोग रहते हैं। आग ग्राउंड फ्लोर पर ही लगी थी। बिल्डिंग के दूसरे फ्लोर पर मौजूद 4 लोगों को बाहर निकाला गया है। जिस अब्दुल नाम के शख्स की मौत हुई है। उसने ही ग्राउंड फ्लोर का फ्लैट किराए पर लिया था। उसी के फ्लैट में केमिकल बनाने का काम किया जा रहा था। अब्दुल घटना के वक्त वहां अकेला था। रेस्क्यू टीम ने बिल्डिंग के ऊपरी माले से शांति दशरथ सचान (उम्र 66 साल) और मॉटी दशरथ सचान (उम्र 22 साल) के साथ ही 14 साल की एक लड़की और एक अन्य महिला को बचाया। ये बिल्डिंग मालिक है। डीसीपी ऋषिकेश मीणा ने रेस्क्यू करने के बाद पुलिस टीम को 10 हजार रुपए का इनाम दिया है।

मप्र आबकारी विभाग का गजट

गांधी जयंती पर वायरल हुई बिना माल्ट के बीयर बनाने की 'रैसिपी'

इंदौर। मध्यप्रदेश में बुधवार को गांधी जयंती पर ड्राइ डे था। इस बीच आबकारी विभाग का एक गजट वायरल हो गया। गजट पर हालांकि तारीख 30 सितंबर अंकित है, लेकिन गांधी जयंती के दिन यह वायरल हुआ। गजट में बिना माल्ट के बीयर कैसे बनेगी, यह बताया गया है। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने इसे लेकर सवाल भी उठाए। दरअसल, मध्यप्रदेश राजपत्र में बिना माल्ट वाले बीयर की रैसिपी प्रकाशित की गई है। इस रैसिपी के अनुसार बीयर ऐसे पदार्थों से बनाई जाएगी जो अच्छी क्वालिटी के हैं। साथ ही उन पदार्थों के बारे में भारसाधक अधिकारी की राय प्रतिकूल नहीं हैं। कोई सेकरीन या समगुण वस्तुओं जैसे सुक्रामीन, ग्लुसीन और सेकरीन, सुक्रामीन और ग्लुसीन के मिश्रण या पदार्थों का, जो कि रासायनिक या कृत्रिम उत्पाद हैं और सेकरीन या हॉप के प्रतिरूप रासायनिक जांच के लिए हैं, बीयर विनिर्माण में उपयोग नहीं किया जाएगा। उन्हें किसी भी प्रक्रम पर बीयर में नहीं मिलाया जाएगा।

इंदौर पहला जिला जहां 8000 महिलाएं देंगी महिला पर्यटकों को सुरक्षा

इंदौर। महिला पर्यटकों के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने और उनकी शिकायतों के समाधान के लिए मध्यप्रदेश की पहली जिला स्तरीय समिति इंदौर में गठित की गई है। इसी तरह की जिला स्तरीय समितियां राज्यभर के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर गठित की जाएंगी, जहां पर्यटकों की अच्छी खासी आमद होती है। जिन जिलों में ऐसी समिति बननी है, उनमें उज्जैन, खंडवा, खरगोन, निवाड़ी, जबलपुर, अनूपपुर और होशंगाबाद शामिल हैं। पुलिस की अगुआई वाली इंदौर जिला समिति में कानून प्रवर्तन, जिला प्रशासन, राजस्व, पर्यटन, पुरातत्व और अन्य विभागों के 15 से अधिक सदस्य शामिल हैं। इंदौर जिला समिति की नोडल अधिकारी अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त डॉ. सीमा अलावा ने कहा कि हमने राज्य की पहली जिला स्तरीय समिति गठित की है, जो महिला पर्यटकों के लिए सुरक्षित माहौल को बढ़ावा देने के लिए कई विभागों के साथ मिलकर काम करेगी। राज्य में पर्यटकों और अकेली महिला पर्यटकों की बढ़ती संख्या के साथ, महिलाओं के लिए एक मजबूत और सुरक्षित माहौल बनाने की आवश्यकता तेजी से महत्वपूर्ण हो गई है। ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया एमपी और सीजी चैप्टर के अनुसार, ट्रैवल एजेंटों के एक संघ, मध्यप्रदेश में आने वाले कुल पर्यटकों में महिला यात्रियों का अनुपात बढ़कर 20 प्रतिशत हो गया है। मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड (एमपीटीबी) ने लोगों को प्रशिक्षण देने और जागरूकता बढ़ाने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

बेकाबू हुए सब्जियों के दाम, आलू-प्याज ने भी मचाया तहलका

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर सहित पूरे मध्यप्रदेश में सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। मानसून सीजन जाने के बाद भी सब्जियों की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि देखी जा रही है। इस वजह से आम लोगों की जिंदगी पर इसका असर देखा जा रहा है। मंडियों में आलू से लेकर हरी सब्जियों तक सब महंगा हो गया है। पिछले 15 दिनों में आलू, बैंगन, प्याज और हरी सब्जियों के दामों में जबरदस्त उछाल आया है। आलम यह है कि वो आलू, जो 15 दिन पहले पंद्रह से बीस रुपए प्रति किलो के दाम पर बिकता था। उसके दाम आज 40 से 50 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। परवल भी 40 रुपए प्रति किलो तक मार्केट में बिक रहा है।

टमाटर ने मचाया तहलका

टमाटर के दाम तो मंडी में तहलका मचाए हैं। कुछ दिनों पहले जो टमाटर 40 से 60 रुपए प्रति किलो के दाम पर मिल रहा था। उसकी कीमत अब 80 से 120 रुपए प्रति किलो हो गई है। हालात तो ये हो गए हैं कि लोग सब्जी में टमाटर डालने से ही कतराने लगे हैं। इसी तरह लहसुन भी मार्केट में 480 रुपए किलो बिक रहा है।

प्याज 50 रुपए प्रति किलो

प्याज भी इस समय खूब इतरा रही है। प्याज की कीमत इस समय मंडी में 50 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है। इसी तरह हरा बैंगन जो कुछ दिन पहले मंडी में 15-20 रुपए प्रति किलो तक बिकता था, वो अब दुगने दाम पर बिक रहा है। लौकी के दाम भी 30-40 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गए हैं।

तो इसलिए बढ़े सब्जियों के दाम

सब्जियों की बढ़ती कीमतों ने बाजार में हलचल मचा दी है। सब्जियों के दाम बढ़ने का असर आम जनता की जेब पर सीधे होता है। सरकार भी अपने स्तर से कालाबाजारी पर रोक लगा रही है। पिछले दिनों भारी बारिश से फसलें बर्बाद हुईं। सब्जियों के आवागमन भी प्रभावित हुए। हालांकि अब मानसून के बाद ट्रांसपोर्टेशन आसान होने से आने वाले दिनों में सब्जियों के दाम फिर से कम होने की उम्मीद है।

नर्मदा एक्सप्रेस, भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस सहित 22 ट्रेनें रहेंगी निरस्त

भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस 12 अक्टूबर तक कैंसल

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। नवरात्र में अगर आप भोपाल से रायपुर और लखनऊ की ओर जाने के बारे में सोच रहे हैं, तो रेल यात्रा में काफी परेशानियों को सामना करना पड़ेगा। इसका मुख्य कारण यह है कि पश्चिम मध्य रेल जोन से जाने वाली 22 ट्रेनों को निरस्त किया गया। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में तीसरी रेल लाइन परियोजना का कार्य किया जा रहा है। इसके अंतर्गत बीरसिंहपुर रेलवे स्टेशन को तीसरी लाइन से जोड़ने के लिए यार्ड रिमाडलिंग का कार्य चल रहा है। इसके कारण से 22 यात्री ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा।

रानी कमलापति-दानापुर एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन में लगेंगे चार कोच अतिरिक्त

यात्रियों की सुविधा व प्रतीक्षा सूची को ध्यान में रखते हुए ट्रेन 01661-01662 रानी कमलापति-दानापुर एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन चलायी जा रही है। इस ट्रेन में स्थायी रूप से दो शयनयान श्रेणी (स्लीपर) और दो वातानुकूलित तृतीय श्रेणी (एसी थर्ड) के अतिरिक्त कोच जोड़ने का निर्णय लिया गया है।
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि यह अतिरिक्त कोच 01661 रानी कमलापति-दानापुर एक्सप्रेस स्पेशल में 26 अक्टूबर से तथा ट्रेन 01662 दानापुर-रानी कमलापति एक्सप्रेस स्पेशल में 27 अक्टूबर से प्रारंभिक स्टेशन से गंतव्य के लिए लगाए जाएंगे। ऐसे में 288 अतिरिक्त यात्रियों को फायदा होगा।

यह ट्रेन रहेंगी रद्द
ट्रेन (18235) भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस - 2 से 12 अक्टूबर
ट्रेन (18236) बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस - 30 सितंबर से 10 अक्टूबर
ट्रेन (11265) जबलपुर-अम्बिकापुर एक्सप्रेस - 2 से 11 अक्टूबर
ट्रेन (11266) अम्बिकापुर-जबलपुर एक्सप्रेस - 3 से 12 अक्टूबर
ट्रेन (18247) बिलासपुर-रीवा एक्सप्रेस - 1 से 9 अक्टूबर
ट्रेन (18248) रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस - 2 से 10 अक्टूबर
ट्रेन (11751) रीवा-चिरमिरी एक्सप्रेस - 4, 7, 9 और 11 अक्टूबर
ट्रेन (11752) चिरमिरी-रीवा एक्सप्रेस - 5, 8, 10 एवं 12 अक्टूबर
ट्रेन (06617) कटनी-चिरमिरी एक्सप्रेस - 2 से 11 अक्टूबर
ट्रेन (06618) चिरमिरी-कटनी एक्सप्रेस - 3 से 12 अक्टूबर

पश्चिम मध्य रेलवे से गुजरने वाली निरस्त ट्रेन
ट्रेन (18233) इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस - 1 से 12 अक्टूबर
ट्रेन (18234) बिलासपुर-इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस - 30 सितंबर से 11 अक्टूबर
ट्रेन (12535) लखनऊ-रायपुर गरीबरथ एक्सप्रेस - 3, 7 एवं 10 अक्टूबर
ट्रेन (12536) रायपुर-लखनऊ गरीबरथ एक्सप्रेस - 4, 8 एवं 11 अक्टूबर
ट्रेन (22867) दुर्ग-निजामुद्दीन एक्सप्रेस - 4, 8 एवं 11 अक्टूबर
ट्रेन (22868) निजामुद्दीन-दुर्ग एक्सप्रेस - 5, 9 एवं 12 अक्टूबर
ट्रेन (18203) दुर्ग-कानपूर एक्सप्रेस - 6 एवं 8 अक्टूबर
ट्रेन (18204) कानपूर-दुर्ग एक्सप्रेस - 7 एवं 9 अक्टूबर
ट्रेन (18213) दुर्ग-अजमेर एक्सप्रेस - 6 अक्टूबर
ट्रेन (18214) अजमेर-दुर्ग एक्सप्रेस - 7 अक्टूबर
ट्रेन (18205) दुर्ग-नवतनवा एक्सप्रेस - 3 एवं 10 अक्टूबर
ट्रेन (18206) नवतनवा-दुर्ग एक्सप्रेस - 5 एवं 12 अक्टूबर

स्कूल शिक्षा मंत्री के बयान पर तंज कसते हुए 'कब्जा करने आए हैं, कब्जा करके जाएंगे' के नारे लगाए

अतिथि शिक्षकों ने किया प्रदर्शन कई टीचर हुए बेहोश

सिटी चीफ भोपाल।
मध्य प्रदेश के अतिथि शिक्षक नियमितीकरण की मांग को लेकर एक बार फिर आंदोलित हो गए हैं। गांधी जयंती के दिन प्रदेश भर से बड़ी संख्या में अतिथि शिक्षक भोपाल के आंबेडकर मैदान पर एकत्रित हुए। इस दौरान कई शिक्षकों के बेहोश होने की भी सूचना है। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए बैरिकेडिंग की थी, जिसके चलते पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की हुई। अतिथि शिक्षकों ने स्कूल शिक्षा मंत्री के बयान पर तंज कसते हुए 'कब्जा करने आए हैं, कब्जा करके जाएंगे' के नारे लगाए।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आंदोलन गैरकानूनी बताकर गोली चलाने की चेतावनी भी दी, हालांकि कुछ ही देर बाद यह बैनर हटा लिया गया। इस आंदोलन में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी भी शामिल हुए। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए सरकार से अतिथि शिक्षकों की मांगों को शीघ्र पूरा करने की अपील की। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भी प्लेटफॉर्म पर लिखा, मुख्यमंत्री जी से आग्रह करता हूं कि अतिथि शिक्षकों की मांगों को स्वीकार करें। यह मांगें पिछली बीजेपी सरकार के वादों का हिस्सा हैं। चुनाव से पहले बीजेपी ने जो वादे किए थे, उन्हें पूरा करें।

अतिथि शिक्षक संघ ने आमरण अनशन की चेतावनी दी
भविष्य की दिशा इस प्रदर्शन ने सरकार के सामने एक बार फिर अतिथि शिक्षकों की मांगों को उजागर किया है। सरकार को इस आंदोलन का ध्यानपूर्वक विचार करना होगा, ताकि शिक्षकों की समस्याओं का समाधान किया जा सके और शैक्षणिक संस्थाओं में स्थिरता बनी रहे। अतिथि शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष केसी पवार ने स्पष्ट किया है कि वे सरकार के साथ अपनी मांगों के स्थायीकरण के लिए पीछे हटने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा, पिछली बार सरकार ने हमें गुमराह कर दिया था, और हम उनकी बातों में आ गए थे। इस बार हम अपना स्थायीकरण लेकर जाएंगे। अगर सरकार अपना रुख स्पष्ट नहीं करती है तो हम आमरण अनशन पर बैठेंगे।

सरकार से मांगें सुनने की अपील
पवार ने यह भी बताया कि प्रदर्शन के दौरान कई लोगों की तबीयत बिगड़ रही है। उन्होंने कहा, यहां तापमान ज्यादा है, और मेरी तबीयत भी कुछ गड़बड़ लग रही है। लेकिन, सरकार की तरफ से अभी तक कोई नहीं आया है। अध्यक्ष ने सरकार से जल्दी से जल्दी उनकी मांगों को सुनने की अपील की। उन्होंने कहा, मैं पीछे नहीं हटने वाला हूं। मैं यहीं आमरण अनशन पर बैठूंगा। मैं अतिथि शिक्षकों के लिए जान देने के लिए तैयार हूं, लेकिन आप लोग किसी तरह का नियम कानून न तोड़े। मुख्यमंत्री जी, जल्द ही हमारी मांगों पर निर्णय लें। हम यहां से वापस जाने वाले नहीं हैं।

लड़ाई जारी रखेंगे, किसी भी हद तक जाने को तैयार
यह स्पष्ट है कि अतिथि शिक्षक संघ का यह आंदोलन अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। यदि सरकार उनकी मांगों का शीघ्र समाधान नहीं करती, तो इससे स्थिति और गंभीर हो सकती है। संघ ने यह संकल्प लिया है कि वे अपनी लड़ाई जारी रखेंगे, और इसके लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं।

7 मांगों को लेकर कर रहे विरोध, शामिल होने वाले थे 12 हजार कर्मचारी

जल सत्याग्रह करने पहुंचे आउटसोर्स कर्मचारियों को उठा ले गई पुलिस

सिटी चीफ भोपाल।
21 हजार रुपए न्यूनतम वेतन देने समेत 7 मांगों को लेकर प्रदेश के आउटसोर्स कर्मचारी बुधवार को भोपाल में जल सत्याग्रह करने वाले थे, लेकिन इससे पहले पुलिस 5-6 कर्मचारियों को गाड़ी में बैठाकर ले गई। इनका कहना था कि सीएम हाउस में मांगों का ज्ञापन देने जा रहे हैं। दरअसल पुलिस ने कर्मचारियों को शीतलदास की बगिया में प्रदर्शन करने की परमिशन नहीं दी। इसलिए नीलम पार्क में चंद कर्मचारी ही जुटे थे। इस प्रदर्शन में एमपी के 12 हजार से अधिक कर्मचारी शामिल होने वाले थे।
एनएचएम संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ नेतृत्व में यह प्रदर्शन किया जाना प्रस्तावित था। सुबह 11 बजे से नीलम पार्क में कर्मचारी जुटने भी शुरू हो गए थे। संघ के प्रदेश अध्यक्ष कोमल सिंह ने बताया, प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में आउटसोर्स कर्मचारी कई साल से सेवा दे रहे हैं, लेकिन 12 हजार से अधिक आउटसोर्स कर्मचारी सरकार की दोहरी नीति और शोषण प्रथा के शिकार हो गए हैं। इसलिए बुधवार को भोपाल में प्रदर्शन किया जाएगा।
15 दिन पहले मांगी थी अनुमति, ऐनवक्त पर कहा अनुमतियां निरस्त
बुधवार सुबह पुलिस का मैसेज कर्मचारियों तक पहुंचा कि आपकी अनुमतियां निरस्त कर दी गई हैं। आपको यदि नीलम पार्क पर कार्यक्रम करना हो तो मैसेज करें। शीतलदास की बगिया पर जाने पर आपके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद कर्मचारी नीलम पार्क में ही जुटने लगे। प्रदेश अध्यक्ष सिंह ने बताया, हमने 15 दिन पहले ही प्रमुख मांगों को लेकर गांधीवादी तरीके से जल सत्याग्रह करने के लिए परमिशन मांगी थी, जो कल देर रात निरस्त कर दी गई। यह कर्मचारियों के अधिकारों का हनन है। आउटसोर्स कर्मचारी लंबे समय से मांगों को लेकर सरकार से गुहार लगा रहे हैं। हमें दबाया जा रहा है। हमारी जायज मांगें हैं।

अध्यक्ष सिंह ने बताया, हमें पुलिस के साथ कुछ साथी सीएम हाउस पहुंचे थे। ज्ञापन देने के बाद वहां से निकल गए हैं। अब आगे की रणनीति बनाएंगे।

इन मांगों को लेकर प्रदर्शन
1- सभी कर्मचारियों को विभाग में समक्ष रिक्त पदों पर नियमित किया जाए।
2 - सपोर्ट स्टॉफ डाटा ,एंट्री ऑपरेटर, वार्ड बॉय, आया, सफाईकर्मी, सिक्योरिटी गार्ड, ऑक्सीजन टेक्नीशियन अन्य सभी आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए नीति बने और उन्हें न्यूनतम 21 हजार रुपए वेतन दिया जाए।
3- उटसोर्स कर्मचारी के लिए शासन द्वारा 16 हजार 132 रुपए प्रतिमाह अनुसार बजट दिया जाता है, लेकिन अधिकारियों एवं आउटसोर्स कंपनियों की कमीशनखोरी की वजह से सिर्फ साढ़े 5 से 9 हजार रुपए तक ही दिए जा रहे हैं। इस पर कार्रवाई हो।
4- प्रदेश के कई जिलों में 3-4 माह से वेतन भुगतान नहीं किया गया है। इस कारण कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति बिगड़ती जा रही है। यह वेतन जल्द दिया जाए।
5- अधिकारियों एवं आउटसोर्स एजेंसियों द्वारा करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार किया जा रहा है, उस पर रोक लगाई जाए।
6- विभाग में विगत कई वर्ष से चतुर्थ श्रेणी के हजारों पद रिक्त हैं। जिनमें वार्ड बॉय, चौकीदार, वायरमैन, माली, कुली, आया, दाई, भत्य एवं डाटा एंट्री ऑपरेटर/निम्न श्रेणी लिपिक के हजारों पद रिक्त पदों पर आउटसोर्स कर्मचारियों को नियमित किया जाए।

12 साल के छात्र ने कमरे में लगाई फांसी

भोपाल। पुराने शहर के छोला मंदिर थाना इलाके में रहने वाले एक 12 वर्षीय बालक ने मंगलवार शाम फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। वह छठवीं कक्षा का छात्र था। घटना के पहले उसने अपने सहपाठी को फोन पर बोला था कि मैं पढ़ाई में कमजोर हूं, इसलिए फांसी लगा रहा हूं। जब तक कोई कुछ समझ पाता, छात्र ने फंदा लगा लिया था। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। बुधवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद बालक का शव स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया। इकलौते बेटे के निधन से माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। छोला मंदिर थाना प्रभारी सुरेशचंद्र नागर ने बताया कि 12 वर्षीय अंकित साहू पुत्र प्रकाश साहू कोटक महिंद्रा बैंक के पास परिवार के साथ रहता था। उसके पिता निजी काम करते हैं। परिवार का इकलौता बेटा अंकित पढ़ाई में कुछ कमजोर था। जिसके चलते वह फेल भी हो गया था। मंगलवार शाम को करीब सात बजे उसने अपने सहपाठी को फोन किया और बोला कि मैं पढ़ाई में कमजोर हूं। इस वजह से फांसी लगा रहा हूं। जब तक स्वजन कुछ समझ पाते, अंकित ने दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामे के बाद बालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया।

शराब के नशे में फाटक बंद करना भूला रेलवे कर्मचारी, हलक में अटकी 100 यात्रियों की सांसें

दोनों तरफ से आ रही थी ट्रेन, ट्रैक पर पहुंच गई बस

भोपाल। रेल कर्मचारियों की लापरवाही के मामले अकसर देखने में आ जाते हैं। ऐसा ही एक मामला अब प्रदेश के अशोकनगर जिले से सामने आया है। जहां, रेलवे का कर्मचारी रेलवे फाटक बंद करना ही भूल गया। फाटक खुला होने के कारण 100 यात्रियों से भरी बस रेलवे लाइन क्रॉस करने लगी। इस दौरान रेलवे के दोनों ट्रैक पर आ रही दो ट्रेन नजदीक आ गईं। बस चालक की एक तरफ से आ रही ट्रेन पर नजर पड़ी तो उसने तुरंत बस को रिवर्स किया। वहीं, ट्रेन के दोनों लोको पायलेट ने भी ट्रेनों की रफ्तार धीमी की। इसे बड़ा हादसा होते होते बच गया। जानकारी के अनुसार घटना अशोकनगर-गुना रोड पर शाढौरा रेलवे फाटक की है। जहां, मंगलवार देर रात रेलवे का गेटमैन फाटक बंद करना भूल गया। फाटक के किनारे खड़े लोगों की नजर जैसे ही दोनों ट्रेन पर पड़ी, वे फाटक बंद करने के लिए चिल्लाने लगे। शोर सुनकर रेलवे कर्मचारी ने फाटक बंद किया। इस दौरान रेलवे क्रॉसिंग के नजदीक आकर दोनों ट्रेनें रुक गईं। गेटमैन की बड़ी लापरवाही को देखते हुए एक लोको पायलट ट्रेन से उतरा और कर्मचारी को जमकर फटकार लगाई। रेलवे लाइन क्रॉस कर रहे लोगों ने बताया कि फाटक पर ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी नशे में था। उसकी लापरवाही से बड़ा हादसा हो सकता था, लेकिन बस ड्राइवर की सतर्कता से हादसा टल गया।

हिंदी भवन में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने हिंदीतर हिंदी सेवियों और अन्य विभूतियों का किया सम्मान

मां भारती के माथे की बिंदी ही नहीं, अभिव्यक्ति का भी सशक्त माध्यम है हिंदी

सिटी चीफ भोपाल।
हिंदी मां भारती के मस्तक की बिंदी है। यह सिर्फ भाषा नहीं, भावों की अभिव्यक्ति और मातृभूमि पर मर मिटने की भक्ति है। हिंदी के सतत् विकास, समृद्धि और प्रसार के लिए क्षेत्रीय शब्दों का हिन्दीकरण और सरलीकरण जरूरी है। आज हिंदी विश्व में अपनी पहचान बना रही है और इसका श्रेय हमारे साहित्यकारों को जाता है। मप्र राष्ट्रभाषा प्रचार समिति जैसी संस्थाओं ने भी हिंदी को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय योगदान दिया है।
गांधी जयंती पर हिंदी भवन में आयोजित अहिंदी भाषी हिंदी सेवी सम्मान समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने यह बात कही। इस मौके पर उन्होंने नौ अहिंदी भाषी हिंदी सेवियों और 21 विभूतियों को विभिन्न सम्मानों से अलंकृत किया।

गुजरात और मप्र इस मायने में अनूठे
राज्यपाल पटेल ने कहा कि देश में गुजरात एकमात्र एक ऐसा राज्य है, जहां दो राजभाषाएं- गुजराती और हिंदी हैं। इसी प्रकार मप्र एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में होती है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कि वर्तमान समय तकनीकी का है, इसलिए हिंदी को बढ़ावा देने के लिए आधुनिक तकनीक और इंटरनेट मीडिया की पूरी मदद लेनी चाहिए। सम्मान समारोह की अध्यक्षता मप्र राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के अध्यक्ष सुखदेव प्रसाद दुबे ने की। इस मौके पर समिति के मंत्री-संचालक कैलाशचंद्र पंत, पूर्व सांसद रघुनंदन शर्मा मौजूद रहे।

अहिंदी भाषियों की कठिनाई समझें, समाधान करें
राज्यपाल पटेल ने कहा कि हमें अहिंदी भाषियों की हिंदी के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए उनकी कठिनाइयों को समझना होगा। उसका समाधान करना होगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अहिंदी भाषियों को जोड़कर हिंदी में चर्चा के लिए प्रोत्साहित करने के प्रयासों पर भी चिंतन किया जाना चाहिए। हिंदी के भाषायी विकास में योगदान देने वालों और हिंदी के क्षेत्र में व्यावसायिक उपलब्धियां प्राप्त करने वालों के सम्मान की पहल भी जरूरी है।

इन्हें किया सम्मानित
समारोह में अहिंदी भाषी हिंदी सेवी एमएस रामनाथन (तमिल),अरविंद सुसरला (तेलुगु), रश्मि कुलकर्णी (मराठी), बिवाश चंद्र मंडल (बांग्ला), बाघराय मांझी (उड़िया), महेंद्र गौरखेड़े (मराठी), भरत पटेल (गुजराती) विजय बांक (उड़िया) तथा रूबी सरकार (बांग्ला) को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार अन्य सम्मानों में स्व. महिमा मेहता सम्मान वाराणसी की साहित्यकार डा. नीरजा माधव को, विशिष्ट हिंदी सेवी सम्मान गोवर्धन यादव छिंदवाड़ा, संपत्तिदेवी विजयवर्गीय स्मृति महिला कल्याण पुरस्कार डॉ. कुसुम सक्सेना भोपाल, स्व. इंदिरा मल्होत्रा स्मृति मेधावी विद्यार्थी सम्मान तनु गुलाटी, रामेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव नवीन पुरस्कार भानुप्रताप सिंह भदौरिया, अंबिकाप्रसाद वर्मा दिव्य पुरस्कार डॉ. अखिलेश पालरिया, प्रकाश कुमारी हरकावत नारी लेखन पुरस्कार डॉ. मंजू मेहता, हुक्मदेवी प्रकाशचंद कपूर स्मृति पुरस्कार अशोक मनवानी, हजारीलाल जैन स्मृति वाड्मय पुरस्कार दिनेश कुमार माली, सतीश बालकृष्ण ओबेरॉय महिला सम्मान कुलतार कौर कक्कर, सुंदरबाई शंकरलाल तिवारी समाजसेवी सम्मान सुधा दुबे, रामायण-गार्गी मेधावी छात्र पुरस्कार आदित्य गौर तथा रामचंद्र श्रीवल्लभ चौधरी मेधावी छात्र पुरस्कार सार्थक साहू को प्रदान किया गया। सम्मान स्वरूप नकद धनराशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान के किए गए।

सम्पादकीय

इस वक्त बड़े खतरनाक दौर से गुजर रहा है देश...

उज्जैन में महाकाल मंदिर को उड़ाने की धमकी दी गई है। जैश-ए-मोहम्मद ने नाम से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि 2 नवंबर को मंदिर को उड़ा दिया जाएगा। राजस्थान के हनुमानगढ़ रेलवे स्टेशन को यह पत्र भेजा गया है। इसमें कई रेलवे स्टेशनों के अलावा महाकाल मंदिर का भी जिक्र किया गया है। दरअसल इस वक्त देश बड़े खतरनाक दौर में है। हिंदू और मुसलमान में विभाजन गहराता जा रहा है।

उज्जैन में महाकाल मंदिर को उड़ाने की धमकी दी गई है। जैश-ए-मोहम्मद ने नाम से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि 2 नवंबर को मंदिर को उड़ा दिया जाएगा। राजस्थान के हनुमानगढ़ रेलवे स्टेशन को यह पत्र भेजा गया है। इसमें कई रेलवे स्टेशनों के अलावा महाकाल मंदिर का भी जिक्र किया गया है। पीले लिफाफे में धमकी भेजने वाले ने खुद को पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का जम्मू-कश्मीर एरिया कमांडर सलीम अंसारी बताया है। इसमें कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर में जिहादियों की मौत का बदला लेने के लिए बम धमाके किए जाएंगे। दरअसल इस वक्त देश बड़े खतरनाक दौर में है। हिंदू और मुसलमान में विभाजन गहराता जा रहा है। मुसलमान को दूसरे मजहब और समुदाय की चिंताओं और दुरावस्थाओं से कोई सरोकार नहीं है। कई राज्यों में मंदिर बनाम अवैध मस्जिद के विवाद उग्र होते जा रहे हैं। हालात यहां तक सांप्रदायिक हो गए हैं कि हिजबुल्लाह का घोषित, घोर आतंकी सरगना नसरल्लाह भारत के मुसलमानों को अपना 'भाई', 'दिलों का राजा' लगता है। छोटे-छोटे बच्चों के मुंह से नारे बुलवाए गए- एक नसरल्लाह मारोगे, हर घर से नसरल्लाह निकलेगा। जम्मू-कश्मीर चुनाव में पीडीपी मुखिया महबूबा मुफ्ती और नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक सांसद ने अपना चुनाव प्रचार ही समाप्त कर दिया, क्योंकि नसरल्लाह को 'शहीद' कर दिया गया। श्रीनगर, बडगाम, कारगिल में व्यापक स्तर पर मातम मनाया गया। काले कपड़े पहन कर एक भीड़ ने अपनी छाती पीट कर स्यापा किया। लोग बिलख-बिलख कर रोते नजर आए। भीड़ के हाथों में नसरल्लाह की तस्वीरें थामी गई थीं। लोग ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता खामेनेई के जिंदाबाद के नारे भी लगा रहे थे। 'अमरीका को आग लगा दो' 'अमरीका मुदार्बाद' के नारे भी गूंज रहे थे। यह सिलसिला कश्मीर घाटी से उप्र के लखनऊ और सुलतानपुर तक और छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर तक में जारी रहा। भीड़ हाथों में मोमबत्तियां जलाए मार्च निकालती दिखाई दी, मानो भारत का अपना कोई देशभक्त या सैनिक 'शहीद' हो गया है! नसरल्लाह न तो भारतीय था और न ही किसी धर्मयुद्ध का योद्धा था, जिसके मारे जाने पर ऐसा मातम मनाया जा रहा है! मासूम बच्चों को क्या पता कि उसकी मौत क्यों और कैसे हुई? उन्हें नफरत का घूंट पिला दिया गया, लिहाजा वे नसरल्लाह के अभिनंदन में नारे लगाने लग पड़े। नसरल्लाह तो 'इस्लामी जेहादी' भी नहीं था, लेकिन दुनिया में असंख्य हत्याओं का सूत्रधार जरूर था। भारत में एक घोषित, घोर आतंकी के हमदर्द रहे हैं, यह कई मामलों में सामने आया है-याकूब मेमन से अफजल गुरु तक। भीड़ बुरहान वानी सरीखे आतंकियों के जनाजे और सुपुर्द-ए-खाक के दौरान इस कदर इकट्ठा होती रही है मानो किसी क्रांतिकारी या स्वतंत्रता सेनानी की 'अंतिम संस्कार यात्रा' हो! मुसलमान पहले इस्लामी और मुसलमान हैं, बाद में भारतीय हैं। अभिव्यक्ति की आजादी, ऐसे प्रदर्शनों की आजादी और सबसे बड़े लोकतंत्र ने हिंदू-मुस्लिम विभाजन को लगातार गहरा किया है। मौलिक अधिकारों और धर्मनिरपेक्षता के गलत मायने निकाले जाते रहे हैं। पड़ोसी देश बांग्लादेश के मौजूदा हालात सामने हैं। वहां असंख्य हिंदुओं की हत्या ही नहीं की गई, बल्कि उत्पीड़न इतनी पराकाष्ठा तक पहुंच चुका है कि हिंदुओं को बांग्लादेश छोड़ कर चले जाने का वक्त तय कर दिया गया है। बांग्लादेश की यूनिवर्सिटी से दो हिंदू प्रोफेसरों को नौकरी से निकाल दिया गया है। हिंदुओं की पूजा और पर्व मनाने पर पाबंदी थोप दी गई है। बांग्लादेश 'इस्लामीस्तान' बन गया लगता है। इन हालात पर भारतीय मुसलमान, खासकर नसरल्लाह जैसों के हमदर्द, न तो मातम मना रहे हैं और न ही प्रतिक्रिया में कोई सख्त टिप्पणी कर रहे हैं। उन्हें हिंदुओं से कोई सरोकार नहीं है, जबकि वे भारत मूल के ही हैं।

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया के लिए 'रास्ता बंद'

मुडा केस में कर्नाटक के सीएम फंसे हैं। उन पर ईडी का शिकंजा कसा है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और और दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बाद वे तीसरे विपक्षी मुख्यमंत्री हैं, जो ईडी की जांच में फंसे हैं। वे केजरीवाल की राह नहीं अपना सकते, क्योंकि वे अपनी पार्टी के सर्वोच्च नेता नहीं है। इस जमीन घोटाले का मामला इसलिए भी गरमाया हुआ है कि इसके तार सीधे राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से जुड़े हैं।

मुडा (मैसूरु अरबन डेवलपमेंट अथॉरिटी) केस में कर्नाटक के सीएम फंसे हैं। उन पर ईडी का शिकंजा कसा है। झारखंड के मुखूयमंत्री हेमंत सोरेन और और दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बाद वे तीसरे विपक्षी मुख्यमंत्री हैं, जो ईडी की जांच में फंसे हैं। वे केजरीवाल की राह नहीं अपना सकते, क्योंकि वे अपनी पार्टी के सर्वोच्च नेता नहीं है। इस जमीन घोटाले का मामला इसलिए भी गरमाया हुआ है कि इसके तार सीधे राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से जुड़े हैं। यह घोटाला 3.2 एकड़ जमीन से जुड़ा है, जिसे मुख्यमंत्री की पत्नी पार्वती को उनके भाई मल्लिकार्जुन स्वामी ने 2010 में उपहार में दिया था। मैसूरु अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी ने इस जमीन का अधिग्रहण किया था। उसके बाद पार्वती ने मुआवजे की मांग की और फिर उन्हें 14 प्लॉट आवंटित किए गए। कहा जाता है कि ये प्लॉट मूल भूमि के टुकड़े से काफी अधिक कीमत के हैं। अब उनकी पत्नी पार्वती की ओर से मुडा को 14 विवादित प्लॉट वापस लौटाने के फैसले पर सियासत गरमा गई है। सीएम सिद्धारमैया का कहना है कि उनकी पत्नी ने उनके (सिद्धारमैया) खिलाफ चल रही नफरत की राजनीति का शिकार होकर यह निर्णय लिया है। पार्वती के इस निर्णय से मैं भी हैरान हूं।

सिद्धारमैया की पत्नी बीएन पार्वती ने मुडा के कमिश्नर को पत्र में लिखा कि मुझे कसाबा होबली के केसारे गांव में मेरे 3 एकड़ और 16 गुंठा जमीन के बदले मैसूर में विजयनगर के तीसरे और चौथे फेज में 14 वैकल्पिक प्लॉट आवंटित किए गए थे। मैं सेल डीड कैंसिल करके 14 साइटों को वापस करना चाहती हूं। मुडा ने उनकी अपील मान ली है। सरल शब्दों में गांव में जमीन अधिग्रहण किया गया। बदले में शहर के पॉश इलाके में 14 प्लॉट दे दिए गए। आरोप है कि इस डील से प्लॉट पाने वालों को करीब 55 करोड़ 80 लाख का फायदा हुआ। प्लॉट पार्वती और उनके अन्य रिश्तेदारों के नाम थे।

इलाके के आरटीआई कार्यकर्ता सक्रिय हुए। जांच की मांग गई। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने इस मामले की जांच की अनुमति दी थी, जिसे सिद्धारमैया ने हाई कोर्ट में चुनौती दी। उन्होंने तर्क दिया कि यह निर्णय संवैधानिक प्रक्रियाओं का उल्लंघन करता है और राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद की सलाह को नजरअंदाज किया। हालांकि, कर्नाटक हाई कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी, यह कहते हुए कि मामले में जांच जरूरी है क्योंकि इसमें मुख्यमंत्री के परिवार का प्रत्यक्ष लाभ है।

अब इस केस में लोकायुक्त पुलिस ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें कई गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था, जिनमें भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कई सेक्शन्स शामिल हैं। मामला ईडी यानी प्रवर्तन डिपार्टमेंट को सौंप दिया गया है जिसने इसे मनी लॉन्ड्रिंग के मामले के रूप दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

अब सिद्धारमैया की अगली रणनीति अपने राजनीतिक करियर और मुख्यमंत्री पद की रक्षा करने के इर्द-गिर्द केंद्रित होगी। सिद्धारमैया के पास कानूनी विकल्पों का सहारा लेने का मौका है। वे उच्चतम न्यायालय में राज्यपाल द्वारा दी गई जांच की मंजूरी को चुनौती दे सकते हैं। कर्नाटक हाई कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी, लेकिन वे सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकते हैं, यह दावा करते हुए कि राज्यपाल का आदेश नियमों का उल्लंघन करता है और उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन करता है।

एफआईआर में सिद्धारमैया को प्रमुख आरोपी के रूप में नामित किया गया है, और उनके परिवार के अन्य सदस्य भी इसमें आरोपी हैं। इस मामले का राजनीति और कानून दोनों पर बड़ा प्रभाव हो सकता है, क्योंकि सिद्धारमैया इस समय कर्नाटक के मुख्यमंत्री हैं, और यह मामला उनकी छवि को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है।

सिद्धारमैया और उनके परिवार के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद, वे लोकायुक्त की जांच में सहयोग करने का रुख अपना सकते हैं। यह कदम उनकी छवि को सुधारने और यह दिखाने के लिए हो सकता है कि वे किसी प्रकार की अनियमितताओं में शामिल नहीं हैं। 14 प्लॉट्स का लौटाना इसी प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है।

राजनीतिक रूप से, सिद्धारमैया अपनी पार्टी, कांग्रेस का समर्थन जुटाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। पार्टी के भीतर और बाहर, उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि इस केस के कारण उनके नेतृत्व और मुख्यमंत्री पद पर असर न पड़े। कांग्रेस आलाकमान और वरिष्ठ नेताओं का समर्थन प्राप्त करना उनकी प्राथमिकता होगी। वे जनता से संवाद और सहानुभूति का माहौल कोशिश भी करेंगे कि कैसे उन्हें राजनीति का शिकार बनाया जा रहा है। वे अपने समर्थकों के बीच यह संदेश फैलाने का प्रयास करेंगे कि यह मामला राजनीतिक प्रतिशोध का हिस्सा है। वे इसे अपने खिलाफ एक राजनीतिक साजिश के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं, ताकि जनता की सहानुभूति प्राप्त कर सकें।

इसके अलावा वे इस विवाद के बीच अपने प्रशासनिक कार्यों और कर्नाटक सरकार द्वारा चलाए जा रहे विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। इससे वे अपनी छवि को सुधारने और यह दिखाने की कोशिश करेंगे कि वे अपने पद पर मजबूती से कायम हैं और राज्य के हित में काम कर रहे हैं। सिद्धारमैया इस मामले को कानूनी और राजनीतिक दोनों मोर्चों पर संभालने की कोशिश करेंगे, ताकि उनके खिलाफ उठने वाले आरोपों का प्रभाव कम हो सके और उनकी राजनीतिक स्थिति मजबूत बनी रहे।

सिद्धारमैया को कोर्ट से राहत मिलना फिलहाल मुश्किल दिख रहा है, क्योंकि कर्नाटक उच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ चल रही लोकायुक्त की जांच को रोकने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने यह माना कि राज्यपाल द्वारा दी गई मंजूरीऔर मामले की जांच वैध हैं। सिद्धारमैया ने राज्यपाल के आदेश को चुनौती दी थी, लेकिन हाई कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया था। हालांकि, सिद्धारमैया के पास अभी भी सुप्रीम कोर्ट में अपील करने का विकल्प है, जहां वे राज्यपाल के आदेश और उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दे सकते हैं। यदि सुप्रीम कोर्ट उनके पक्ष में कोई निर्णय देता है, तो उन्हें कुछ राहत मिल सकती है। लेकिन वर्तमान स्थिति में, हाई कोर्ट का निर्णय उनके खिलाफ है, और जांच भी तेजी से आगे बढ़ रही है।

इसलिए, जब तक सुप्रीम कोर्ट से कोई सकारात्मक निर्णय नहीं आता, उनके लिए कानूनी मुश्किलें बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। जब उच्च न्यायालय का निर्णय किसी पक्ष के खिलाफ जाता है, तो वह पक्ष सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका (एस एल पी) दायर कर सकता है। सिद्धारमैया के मामले में, यह याचिका राज्यपाल द्वारा लोकायुक्त जांच की मंजूरी को चुनौती देने के लिए हो सकती है। वे सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगा सकते हैं कि हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी जाए और जांच पर रोक लगाई जाए।

लेकिन सुप्रीम कोर्ट पहले यह तय करेगा कि विशेष अनुमति याचिका स्वीकार की जाए या नहीं। अगर कोर्ट मानता है कि मामला महत्वपूर्ण है और इसमें अपील का आधार है, तो इसे स्वीकार किया जाएगा। अगर विशेष अनुमति याचिका स्वीकार कर ली जाती है, तो इसके बाद सुनवाई की तारीख निर्धारित की जाएगी। प्रारंभिक सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट यह तय कर सकता है कि हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाई जाए या न लगाई जाए। यदि सुप्रीम कोर्ट प्राथमिक स्तर पर राहत देने के लिए तैयार होता है, तो वह जांच या अन्य कार्यवाही पर अस्थायी रोक लगा सकता है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में सिद्धारमैया के वकील यह दावा कर सकते हैं कि राज्यपाल का आदेश असंवैधानिक है या राजनीतिक द्वेष से प्रेरित है। अगर उच्चतम न्यायालय सुनाने को तैयार होता है तो सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट किसे सही ठहराती है किसे नहीं।

अगर कोर्ट सिद्धारमैया के पक्ष में निर्णय आता है, तो राज्यपाल के आदेश और जांच प्रक्रिया को रद्द किया जा सकता है।अगर कोर्ट उनके खिलाफ फैसला सुनाता है, तो जांच आगे बढ़ेगी और मामले में कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

सिद्धारमैया ने कर्नाटक हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की योजना बनाई है। हालांकि, अभी तक सुप्रीम कोर्ट में उनकी अपील की तारीख तय नहीं हुई है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ जांच को को रोकने से इनकार कर दिया था। इस फैसले के बाद, सिद्धारमैया की कानूनी टीम सुप्रीम कोर्ट से स्थगन आदेश या राहत प्राप्त करने के लिए प्रयास कर सकती है, लेकिन प्रक्रिया में कुछ समय लग सकता है। जब तक सुप्रीम कोर्ट से कोई स्थगन आदेश नहीं मिलता, जांच रुकने की संभावना कम है। अगर उच्चतम न्यायालय उनके पक्ष में फैसला सुनाता है, तो ही एफआईआर रद्द हो सकती है। अभी उसके रद्द होने की कोई स्पष्ट संभावना नहीं दिख रही है। जाहिर है कि सिद्धारमैया के लिए रास्ता बंद है।

इस बार दस दिन का नवरात्र होगा फलदायी

प्रत्येक वर्ष अश्विन मास शुक्ल पक्ष में शारदीय नवरात्र पूरे 9 दिन मनाए जाते हैं, लेकिन अबकी बार ऐसा नहीं है। तृतीया तिथि की वृद्धि होने के कारण अबकी बार पूरे 10 दिन मनाए जाएंगे। शारदीय नवरात्र आश्विन मास, शुक्ल पक्ष, हस्त नक्षत्र, और इंद्रयोग में मनाए जाएंगे। नवरात्र 3 अक्टूबर को प्रारंभ होंगे और 12 अक्टूबर दिन शनिवार को समापन होगा। नवरात्र में शक्ति की अधिष्ठात्री मां दुर्गा आदि शक्ति के 9 स्वरूपों की पूजा आराधना की जाती है।

पहले 3 दिन हम दुर्गा देवी का ध्यान करते हैं, जो पराक्रम स्वालंबन और आत्मविश्वास की प्रतिमूर्ति हैं। अगले तीन दिन हम मां लक्ष्मी का ध्यान करते हैं, जो शुभताऔर धन्यता की प्रतिमूर्ति है। अगले तीन दिन मां सरस्वती का ध्यान करते हैं, जो वाणी और ज्ञान की देवी है। नवरात्र के नौ दिन मां के नौ रूपों की पूजा की की भी मान्यता है। पहले दिन शैलपुत्री, दूसरे दिन ब्रह्मचारिणी, तीसरे दिन चंद्रघंटा, चौथे दिन कूष्मांडा, पांचवें दिन स्कंदमाता, षष्ठी पर कात्यायनी, सप्तमी पर कालरात्रि, अष्टमी पर महागौरी एवं नवमी पर सिद्धिदात्री की पूजा होती है।

पंचांग के अनुसार गुरुवार देव बृहस्पति का दिन माना गया है और बृहस्पति देवताओं के गुरु है। अबकी बार मां दुर्गा डोली यानी के पालकी पर सवार होकर आ रही है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां दुर्गा का डोली पर सवार होकर आना शुभ संकेत नहीं है। देवी पुराण के अनुसार मां दुर्गा का पालकी में सवार होकर आना देश में आर्थिक मंदी का संकेत है। प्रकृति अपने रूद्र रूप में जान माल का नुकसान कर सकती है। इस बार मां दुर्गा चरणायुद् पर सवार होकर वापस जाएगी। बड़े पंजे वाले मुर्गे को चरणायुद् कहते हैं। मां दुर्गा का मुर्गा पर सवार होकर जाना अशुभ माना गया है। हालांकि कई पंडितों का मत है कि नौ की जगह दस दिन नवरात्र का होना यानी नवरात्र में तिथि बढ़ना शुभ माना जाता है। नवरात्रों की तिथि घटने की बजाय बढ़ना फलदायी होता है। शास्त्रों में भी मान्यता है कि बढ़ा हुआ नवरात्र शुभ समृद्धि लाता है। बाबोजी पंचाग के लेखक नरोत्तम बी. मिश्रा और आचार्य विकास मिश्र बताते हैं कि इस बार शारदीय नवरात्र में 5 एवं 6 अक्टूबर दो दिन तृतीया तिथि रहेगी। छह अक्टूबर को बढ़ी हुई तृतीया तिथि 6 अक्टूबर को रात में भ्रदा भी रहेगी। 7 अक्टूबर को चौथा नवरात्र होगा।

बताया जा रहा है कि शारदीय नवरात्र पर घट स्थापना के समय इस बार पूरे दिन हस्त नक्षत्र में शुभ संयोग रहेगा। हर बार नवरात्र स्थापना पर चित्रा नक्षत्र और वैधृति योग रहता है, जो कि घट स्थापना में टाला जाता है। लेकिन इस बार कन्या राशि में चतुर्ग्रही योग बनेगा। जिसमें बुध, सूर्य, केतु और चंद्रमा विराजमान रहेंगे। कन्या राशि में सूर्य बुध से बुधादित्य योग का निर्माण होगा। शुक्र और राहु ग्रह के बीच षडाष्टक योग भी बनेगा।

आचार्य अविनाश राय के मुताबिक नवरात्र पर देवी स्वरूपा महिला वर्ग को कतई नाराज नहीं करना चाहिए। उनका दिल नहीं दुखाना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने वालों से देवी मां नाराज हो जाती हैं और उन्हें सजा देती है। उनके मुताबिक इस बार के नवरात्र पर अलग-अलग राशियों पर अलग-अलग असर पड़ने वाला है। हालांकि, सभी पर देवी मां समान रूप से अमृत वर्षा करेंगी, लेकिन कुछ राशि वालों को थोड़ी सतर्कता बरतनी होगी।

नवरात्र पर कलश स्थापना को शुभता और मंगल का प्रतीक माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार कलश में जल को ब्रह्मांड की सभी सकारात्मक ऊर्जाओं का स्रोत माना गया है। इसे देवी दुर्गा की शक्ति और सृजन की प्रतीकात्मक उपस्थिति माना जाता है। कलश स्थापना के साथ ही देवी के नौ रूपों का आवाहन किया जाता है, और यह नौ दिन तक चली पूजा का मुख्य केंद्र होता है। यह विधि नकारात्मक शक्तियों से रक्षा करने और घर में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रखने का साधन माना जाता है। कलश स्थापना के साथ देवी दुर्गा की पूजा आरंभ होती है और यह पूजा साधक के मन और घर को पवित्र करने का माध्यम होती है।

नवरात्र का राशियों पर असर

वृष राशि- वृष राशि वालों के विवाह का योग बनेगा। वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। संतान सुख मिल सकता है। काम कारोबार अच्छा रहेगा। धन संपत्ति बढ़ेगी। कुल मिलाकर 6 महीना अच्छा रहेगा।

मिथुन राशि -मिथुन राशि के जातक 6 महीने में बहुत खर्च कर सकते हैं। तनाव में रहेंगे। काम कोरबार के लिए अच्छा समय नहीं रहेगा। छात्रों के लिए ये समय अनुकूल रहेगा।

कर्क राशि- कर्क राशि के मंगल शनि अष्टम भाव में रहेंगे। आने वाला समय सेहत के लिए अच्छा नहीं रहेगा। इस समय में सेहत का ख्याल रखें। कारोबार में धन लाभ होगा। संभलकर चलना होगा।

सिंह राशि- सिंह राशि के जातक के लिए समय काफी अच्छा रहेगा। बिजनेस में लाभ होगा। मान सम्मान में वृद्धि होगी। विदेश से लाभ मिलेगा। खर्च बढ़ सकता है। वाहन संभलकर चलाएं।

कन्या राशि- कन्या राशि के लिए ये समय कारोबार के लिहाज से अच्छा रहेगा, लेकिन वैवाहिक जीवन में परेशानी आ सकती है। नये काम की शुरुआत के लिए कुंडली जरूर दिखा लें। गुरु मंगल के शुभ गोचर से धन लाभ होगा।

तुला राशि- तुला राशि के जातक को इस ग्रह गोचर के समय में सेहत का विशेष ध्यान रखना होगा। कार्यक्षेत्र में वाद विवाद ना हो। नये काम की शुरुआत सोच समझकर करें। विवाद से दूर रहें।

वृश्चिक राशि- आपको गुरु का गोचर वैवाहिक जीवन में खुशियां देगा। सेहत का ध्यान रखना होगा। शनि ढैय्या के कारण आपको परेशानी हो सकती है। आपके लिए ये समय मिलाजुला रहेगा।

धनु राशि- सेहत संबंधी परेशानी हो सकती है। मांगलिक दोष का निर्माण होगा। वैवाहिक जीवन में मन मुटाव बढ़ेगा। कर्ज लेने से बचना होगा। धन का निवेश ना करें।

मकर राशि- मकर राशि के लिए ये समय काम कारोबार के लिए अच्छा रहेगा। संतान सुख के लिए शुभ होगा। जीवनसाथी की सेहत का ख्याल रखना होगा। पार्टनर सिप में काम ना करे।

कुंभ राशि- कुंभ राशि के लिए ये समय बहुत ही शुभ रहेगा। बिजनेस में तरक्की मिलेगी। मान- सम्मान बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। मानसिक तनाव कम होगा। सेहत का ध्यान रखें।

मीन राशि- मीन राशि के लिए ये समय मिला जुला रहेगा। धन लाभ और कारोबार के लिहाज से अच्छा रहेगा। वैवाहिक जीवन में परेशानी हो सकती है। संतान का ध्यान रखें। उधार ना दें। सेहत का खास ख्याल रखें।

नवरात्रि के सफल आयोजन के लिए हुई मां कनकेश्वरी भक्त मंडल की बैठक

समिति के लोगों को सौंपे दयित्व

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ । शाजापुर, शाजापुर नवरात्रि की पंचमी को मां कनकेश्वरी भक्त मंडल द्वारा पिछले 10 सालों से मां कनकेश्वरी के दरबार पहुंचकर उन्हें आस्था का भोग लगाया जाता है। इस बार यह यात्रा अपने 11 वे वर्ष में प्रवेश करने जा रही है। जिसकी तैयारियों को लेकर भावसार धर्मशाला स्थित मां हिंगलाज माता मंदिर परिसर में भक्त मंडल की बैठक आयोजित की गई। जिसमें सफल आयोजन के लिए चर्चा करने के साथ ही समिति पदाधिकारियों व सदस्यों को दायित्व सौंपे गए।

गौरतलब है शहर से 9 किमी दूर ग्राम करेड़ी स्थित मां कनकेश्वरी के दरबार में इस बार भी मां कनकेश्वरी भक्त मंडल द्वारा चुनरी ओढ़ाई जाकर भंडारे का आयोजन किया जाएगा। शारदेय नवरात्रि की पंचमी पर विगत 10 वर्षों से लगातार मां कनकेश्वरी भक्त मंडल द्वारा चुनरी यात्रा निकाली जाती है। जो इस बार 11वे वर्ष में 7 अक्टूबर को यात्रा निकाली जाएगी।

बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई यात्रा के लिए भावसार धर्मशाला स्थित मां हिंगलाज माता मंदिर परिसर में गत दिवस आयोजित बैठक में कार्यक्रम को लेकर रूपरेखा बनाई गई। बैठक मे पूर्व विधायक पुरूषोत्तम चद्रवंशी,तुलसीराम जी भावसार, भाजपा जिला महामंत्री दिनेश शर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी रामवीरसिंह सिकरवार,युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष श्याम टेलर, सर्व हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष आशीष नागर, शिवाजी सोनी, विजय जोशी धीरेन्द्र सिंह भदौरिया, गिरीश भावसार,कैलाश सेन, महेश प्रजापतिशीतल भावसार, मनोहर विश्वकर्मा, अतिथि के रूप मे उपस्थित थे। संचालन उमेश टेलर ने किया तथा आभार भावसार समाज अध्यक्ष श्री तुलसीराम भावसार ने माना।

यह रहें उपस्थित इस अवसर पर सर्वश्री अशोक भावसार, पवन तंवर, राजेश परमार, गोविन्द कसेरा, चिनेश जैन, पंकज भावसार, राकेश राठौर, सतीश राठौर, अजय चंदेल, प्रहलाद भावसार, महेश परमार, महेश भावसार, श्याम शर्मा, संतोष भावसार, रामदयाल पाटीदार, अभय भावसार राजेंद्र बराडे, सुशील माथुर, संजय उदासी, सत्यनारायण कसेरा, राजू चौहान, मुकुंद भावसार, जीतेन्द्र भावसार सहित बड़ी संख्या में समिति पदाधिकारी, मातृशक्ति सदस्य व गणमान्य नागरिक व महिलाएं उपस्थित थी।

अखाड़ों के उस्तादों व शस्त्र मे निपुण बालिकाओं को किया सम्मानित इस अवसर पर बैठक में अखाड़ों के उस्तादों सहित हिंगलाज शस्त्र कला मंडल की बालिकाओं को भी शील्ड प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। इनमे प्रमुख रूप से अवनि भावसार, प्रथा भावसार, मिष्ठी भावसार, प्रांजल भावसार, ताशी भावसार, मान्या भावसार, अवनि भावसार, गीतांशी भावसार, अनुष्का भावसार, धानवी भावसार रही।वहीं अखाड़े के उस्ताद को भी साफा बांधकर सम्मानित किया गया। जिनमे प्रमुख रूप से श्री राजू गवली,श्री तुलसीराम जी भावसार,श्री घनश्याम कुशवाहा, श्री संतोष मेवाड़ा, श्री हरि पहलवान, श्री विजय प्रजापति,श्री मोहन देवतवाल,श्री रोहित मालवीय, श्री विशाल शर्मा, धर्मेंद्र शर्मा, श्री बालकृष्ण यादव, श्री मिथुन शर्मा, श्री संतोष धारवे,श्री कमलेश अटेरिया, श्री आलोक पारछे प्रमुख रहें।

मां का आशीर्वाद लेकर शुरू होगी यात्रा यात्रा संयोजक रामचंद्र (मुन्ना) भावसार ने बताया कि 7 अक्टूबर को प्रात: 9 बजे यात्रा की शुरूआत सोमेश्वर महादेव मंदिर स्थित माता की प्रतिमा का पूजन-अर्चन कर की जाएगी। इसके बाद चौक बाजार, ग्राम गिरवर, जादमी होते हुए सभी श्रद्धालू पैदल यात्रा कर मां के दरबार पहुंचेंगे। जहां मां कनकेश्वरी को चुनरी ओढ़ाई जाएगी। इसके बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा। श्री भावसार ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी यह यात्रा धूमधाम से निकाली जाएगी, जिसमें शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों व जिलों से भी श्रद्धालू शामिल होकर माता की आराधना करेंगे। शोभायात्रा प्रभारी तुलसीराम भावसार ने चुनरी यात्रा में ज्यादा से ज्यादा धर्मप्रेमीजनों से सम्मिलित होकर यात्रा को सफल बनाने का अनुरोध किया है।

अनूपपुर रामनगर पुलिस ने पशुओं पर क्रूरता करने वालो पर करी कार्यवाही

19 मवेशियों को मुक्त करवाकर कांजी हाऊस में सुरक्षित रखवाया गया

सुशिल सोनी । सिटी चीफ

अनूपपुर, अनूपपुर मुखबिर से सूचना मिली की एक व्यक्ति पैदल पैदल जंगल के रास्ते मवेशियों को वध करने के उद्देश्य से क्रूरता पूर्वक प्रताडित करते हुये आमाडांड से कोतमा तरफ ले जा रहा है7 मुखबिर के बताये अनुसार आमाडांड ओसीएम के पीछे लिप्टिस के जंगल के पास स्थानीय लोगों के मदद से घेराबन्दी कर उक्त व्यक्ति को मवेशियों के साथ पकडा गया, मवेशियों के साथ क्रूरता करने वाले व्यक्ति से नाम पता पूछा गया जो अपना नाम दिनेश यादव पिता छोटेलाल यादव उम्र 22 वर्ष निवासी वार्ड क्र0 10 ग्राम भौता थाना झगराखाण्ड जिला एमसीबी

(छग) का होना बताया जिससे कब्जे से कुल 19 नग मवेशियों के खरीदी बिक्री के वैध दस्तावेज चाहे गये , नहीं होना बताया तथा उक्त मवेशियों को मवेशी मालिक राजकुमार साहू निवासी गढी थाना कोतमा के कहने पर वध करने के उद्देश्य से ऊरा गांव तरफ खदेडते हुये ले जाना एवं उसके एवज में 500 रूपये इसे देना बताया 7 अत: आरोपी दिनेश यादव के कब्जे से कुल 19 नग मवेशी(भैंस 7 नग+12 पाड़ा नग सहित) कुल कीमती करीब 3,80,000 /- रूपये को जप्त किया गया तथा जप्तशुदा मवेशियों को विधिवत सुरक्षित कांजी हाऊस मलगा के संचालक के सुपुर्द किया गया जिनका पशु चिकित्सा अधिकारी से मेडिकल परीक्षण कराया जाता है। मवेशियों के साथ क्रूरता करने वाले दोनो आरोपीगणो के विरूद्ध अपराध धारा 11 (क) पशु क्रूरता अधिनियम, धारा 6 मध्यप्रदेश कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम एवं धारा 49 बी.एन.एस. का कायम किया जाकर आरोपीगणो के विरूद्ध विधिवत कार्यवाही की गई। उक्त कार्यवाही थाना प्रभारी रामनगर निरीक्षक अमर वर्मा के कुशल नेतृत्व में सउनि0 विनोद नाहर, प्रआर0 हरीश डेहरिया, आर0 राहुल प्रजापति का सराहनीय योगदान रहा।

शारदीय नवरात्रि के साथ मां की उपासना शुरू

सज धज कर तैयार सार्वजनिक पांडाल

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, 3 अक्टूबर गुरुवार से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत होगी और विधि विधान से सार्वजनिक पांडालो मैं माता की एक से बढ़कर एक आकर्षक प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी। इसकी समस्त तैयारी लगभग पूर्ण हो चुकी है बस माता की प्रतिमाएं लाने का इंतजार भक्त कर रहे हैं। स्थापना के साथ ही माता के अनन्य भक्तों द्वारा उपासना शुरू हो जाएगी। कई समाजों की धर्मशालाओं, सार्वजनिक पांडालों में गरबों का आयोजन किया जाएगा।

कोई नंगे पैर तो कोई खाली पेट रहकर करेगा उपासना भक्तों की भी अपनी-अपनी श्रद्धा होती है और उसी के अनुरूप माता की आराधना करते हैं। इसी कड़ी में कई भक्त 9 दिन तक नंगे पर रहते हैं तो कई भक्त खाली पेट रहकर माता की उपासना करते हैं।

सज धज कर तैयार माता के मंदिर शहर के अति प्राचीन मां राजराजेश्वरी माता मंदिर आकर्षक विद्युत साज सज्जा से अपनी अलग ही छटा बिखेर रहा है। शारदीय नवरात्रि की पूर्व संध्या पर मां राजेश्वरी मंदिर पर आकर्षक विद्युत सज्जा की गई है। पंडित आशीष नागर ने बताया मंदिर में सुबह 7:30 बजे घट स्थापना की जाएगी। वही आरती का समय नवरात्रि के पहले दिन हमेशा की

अनमोल फोटो शाजापुर

तरह 6ः00 बजे रहेगा बाकी 9 दिन तक सुबह 5 बजे और रात्रि 9 बजे माता की आरती की जाएगी। इसके अलावा शहर के प्रसिद्ध रूपा माता मंदिर, लालबाई फूलबाई माता मंदिर, चामुंडा माता मंदिर दुपाडा रोड, नई सड़क स्थित बिजासन माता मंदिर, रेलवे स्टेशन रोड कालका माता मंदिर आदि माता मंदिरों में भी शारदीय नवरात्रि की शुरुआत धार्मिक आयोजनों के साथ होगी।

9 दिन तक होंगे गरबा बच्चों से लेकर युवाओं और बड़ों तक शारदीय नवरात्रि का बेसब्री से इंतजार रहता है और यह इंतजार कल शारदीय नवरात्रि की शुरुआत होते ही खत्म हो जाएगा। कई गरबा मंडलों द्वारा गरबा की प्रैक्टिस कराई जा रही थी जिसे आज अंतिम रूप दिया गया। डांडिया खेलने को लेकर खासकर युवक और युवतियों में उत्साह नजर आ रहा है। बाजारों में डांडिया और ड्रेस खरीदने वालों की काफी भीड़ नजर आ रही है।

मालवा कला मंडल की चुनरी यात्रा 3 अक्टूबर को मालवा कला मंडल शाजापुर के तत्वावधान में नवरात्रि पर्व के अवसर पर 3 अक्टूबर को सायं 5 बजे से चुनरी यात्रा निकाली जाएगी। चुनरी यात्रा का यह 35 वां वर्ष है। मंडल के संस्थापक शिवाजी सोनी ने बताया कि यह चुनरी यात्रा स्थानीय वजीरपुरा स्थित दामोदर दर्जी धर्मशाला से प्रारंभ होगी जो कि नगर के वजीरपुरा, बालवीर हनुमान, सोमवारिया बाजार, छोटा चैक, आजाद चैक, नईसड़क, राधा टॉकीज के पास से नाथवाड़ा होते हुए तालाब की पाल स्थित मां महालक्ष्मी मंदिर पहुंचेगी। जहां पर माहाआरती आयोजित कर यात्रा का समापन होगा। इस अवसर पर बालिकाओं द्वारा गरबा भी किया जाएगा। चुनरी यात्रा में बैंड बाजे, बग्गी, घोड़े, खुली जीप शामिल रहेगी। मंडल के संरक्षक योगेश पांचाल, सरलेश चतुर्वेदी, अध्यक्ष मनीष मालवीय, संयोजक आयुष यादव, श्रीमती शीला तोमर, स्वाती ठाकुर, जया जाटव, नेहा विश्वकर्मा, रूपेश प्रजापति, जयेश व्यास, हर्ष व्यास, गजेंद्र परमार, गौतम यादव, अभिजीत मालवीय, अमन यादव, राकेश राव, सुनील चैहान, पंकज चैहान, खुशबू आडवाणी आदि ने धर्मप्रेमी नागरिकों से चुनरी यात्रा में भाग लेने का अनुरोध किया है।

अलग अलग पांडालों में जाकर किया जाएगा गरबा श्री सोनी ने बताया कि मालवा कला मंडल के कलाकारों द्वारा नवरात्रि पर्व पर प्रतिदिन रात्रि के समय अलग अलग स्थानों पर विराजित देवी प्रतिमाओं के पांडालों में जाकर गरबा किया जाएगा। मंडल के कलाकार राजस्थानी, गुजराती वेशभूषा में शामिल होकर गरबों की शानदार प्रस्तुति देंगे। श्री सोनी ने बताया कि गरबो का समापन 11 अक्टूबर को दुपाड़ा मार्ग स्थित चामुंडा माता मंदिर परिसर में सायं 7 बजे से पुरस्कार वितरण समारोह के साथ किया।

बाइक को बचाने में मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्राली पलटी, तीन घायल

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर। सामने से आ रही बाइक को बचाने में मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्राली अनियंत्रित होकर नहर में जा पलटी। इस घटना में दो महिला मजदूर सहित चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को सोयाबीन काटने जा रहे मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्राली दुपाड़ा रोड पर बाइक को बचाने में नहर में जा गिरी। घटना में ट्रैक्टर-ट्राली में सवार ताराबाई पति चंदूलाल, सुगनबाई पति कैलाशचंद्र निवासी महूपुरा और हरणगांव निवासी ट्रैक्टर चालक भगवानसिंह घायल हो गए। घायलों को उपचार हेतु शाजापुर जिला अस्पताल लाया गया जहां से हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद भगवानसिंह को इंदौर रैफर किया गया। वहीं घायल महिलाओं का शाजापुर अस्पताल में उपचार जारी है। ट्रैक्टर-ट्राली में करीब 11 मजदूर सवार थे, जिनमें चालक सहित तीन लोग घायल हुए हैं।

अस्पताल में शुरू हुआ प्रसूति प्रतीक्षालय कक्ष में होगी प्रसूताओं की देखभाल

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र में प्रसूति प्रतीक्षालय कक्ष की शुरूआत की गई। बुधवार सुबह 11 बजे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अजय साल्विया, सिविल सर्जन डॉ एमके जोशी, शैलेंद्र सोनी ने प्रसूति प्रतीक्षालय का फीता खोलकर शुभारंभ किया। इस दौरान डॉ साल्विया ने कहा कि बीपी, हाईरिस्क आदि गंभीर बिमारी से ग्रसित प्रसूताओं को प्रसव पीड़ा होने के बाद ही परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचते थे, ऐसे में जच्चा और बच्चा दोनों को ही

खतरा रहता था और कई बार अस्पताल विलंब से पहुंचने और समय पर उपचार न मिलने से दूर दराज से आई प्रसूताओं और नवजात की जान पर खतरा बना रहता था, ऐसे में इस तरह की घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से जिला अस्पताल के मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र में प्रसूति प्रतीक्षालय का शुभारंभ किया गया है जिसमें दूर-दराज की प्रसूताओं को पहले से ही चिन्हित कर डिलीवरी से पहले भर्ती कर लिया जाएगा। इसके बाद उनका उपचार किया जाएगा। यहां हाई रिस्क और बिमारी से ग्रसित प्रसूता की डिलवरी सुरक्षित हो सके इसके लिए उन्हें कुछ दिन पहले से ही भर्ती कराने का कार्य किया जाएगा। इसके बाद डिलीवरी पश्चात प्रसूताओं को अन्य वार्ड में शिफ्ट किया जाएगा। प्रतीक्षालय के शुभारंभ पर राजदत्त दुबे, नेहा सांवले, किरण पड़ोले, अशोक जायसवाल आदि मौजूद थे।

कृषि विज्ञान केंद्र में स्वच्छता दिवस के रूप में मनाई गांधी जयंती

सीएम राईज में भी हुआ कार्यक्रम

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर,कृषि विज्ञान केंद्र में महात्मा गांधी जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती बुधवार को स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता दिवस के रूम में मनाई गई। इस दौरान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ जीआर अंबावतिया ने कहा कि इस वर्ष के स्वच्छता अभियान की थीम स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता रखा गया है। उन्होने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत दस वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राजघाट से की गई थी जो भारत के शहर-शहर और गली-गली में फैल रही है। अंबावतिया ने गांधी जयंती पर उनके सत्य एवं अहिंसा के सिद्धांतों को अपनाने की सलाह दी। साथ ही लालबहादुर शास्त्री द्वारा दिए गए नारे जय जवान, जय किसान की याद दिलाई। इस दौरान कृषि महाविद्यालय सिहोर के विद्यार्थी एवं प्रगतिशील कृषकों ने स्वच्छता संबंधित गोष्ठी में घरेलू एवं खेती के कचरे से कंपोस्ट या वर्मी कंपोस्ट खाद बनाने का सुझाव दिया। साथ ही बताया कि स्वच्छता ही स्वस्थ रहने का मूल मंत्र है। उन्होने अपील की कि अपने घर, गांव और कार्यालय आदि को साफ रखने में सहयोग करें। कार्यक्रम में केन्द्र के डॉ डीके तिवारी, रत्नेश विश्वकर्मा, गंगाराम राठौड़ भी मौजूद थे।

जयंती पर यहां भी हुआ आयोजन शासकीय सरदार वल्लभ भाई पटेल सीएम राईज विद्यालय शाजापुर में सत्य एवं अहिंसा के पुजारी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं देश के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी सागर वाधवानी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। साथ ही कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्राचार्य सविता सोनी ने की। इस मौके पर 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2024 तक चलाए जा रहे स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन एवं मद्य निषेध सप्ताह का शुभारंभ किया गया। सर्वप्रथम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी सागर वाधवानी द्वारा विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का स्मृति चिन्ह के रूप में नेहरू युवा केंद्र की केप पहनाकर सम्मान किया गया। उन्होने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उनके जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर हमारे देश को सत्य और अहिंसा का मार्ग अपना कर दुनिया में श्रेष्ठ बनाने का संकल्प सभी शिक्षकों को दिलाया। साथ ही स्वच्छता एवं मद्य निषेध की शपथ लेकर अपने आसपास व्याप्त गंदगी, परिवार, समाज, परिवेश में व्याप्त नशे की बुराईयों को छुड़वाने का संकल्प भी लिया गया। वाधवानी ने कहा कि हमें अपने राष्ट्र को विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में खड़ा करने के लिए मिलकर समुचित प्रयास करना होगा। कार्यक्रम को विद्यालय की प्राचार्य सविता सोनी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर कमलेश नागर, जितेंद्र भावसार, अंबाराम राजोरिया, जागेश सोनी उपस्थित थे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के समापन पर मिला पुरस्कार

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ । शाजापुर, स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत जिला अस्पताल में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं का बुधवार को पुरस्कार वितरण समारोह के साथ समापन हुआ। इस दौरान अतिथि के रूप में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अजय साल्विया, सिविल सर्जन डॉ एमके जोशी, शैलेंद्र सोनी, डॉ बीएस मैना, डॉ एसडी जायसवाल, डॉ गोविंद पाटीदार, नेहा सांवले मौजूद थीं। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल के सफाई मित्रों और नर्सिंग ऑफिसर्स को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। किरण पड़ोले ने बताया कि शाजापुर जिला अस्पताल में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत प्रतिदिन विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में नर्सिंग ऑफिसरों ने रंगोली, पोस्टर एवं नुक्कड़ नाटिका के माध्यम से लोगों को पर्यावरण

बचाने और साफ-सफाई का संदेश दिया। प्रतियोगिताओं में शामिल होकर आमजन को स्वच्छता का संदेश देने वाले नर्सिंग ऑफिसर्स और अस्पताल में सफाई व्यवस्था बनाए रखने वाले सफाई मित्रों को पुरस्कृत किया गया।

जिले के रोजगार सहायक संघ चार सूत्री मांगों को लेकर कलेक्टर को सौपा ज्ञापन

मांगे नहीं पूरी हुई तो जल्द होगा उग्र आंदोलन - चंद्रभान यादव जिला अध्यक्ष

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, अनुपपुर जिले के रोजगार सहायक संघ जिला अनूपपुर मुख्यालय में आज अपने मांगों को लेकर सामतपुर तालाब के पास एकत्र होकर पैदल रैली के माध्यम से कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री तथा पंचायत मंत्री के नाम कलेक्टर को सौपा गया ज्ञापन। चार सूत्री मांगों को लेकर सोपे ज्ञापन - सहायक सचिव के पद पर जिला संवर्ग ग्रेड पे पर संविलियन कर नियमित किया जाए। 2. रोजगार सहायकों की जिनकी मृत्यु हो चुकी है उनके परिवारों को अनुकम्पा नियुक्त एवं 5 लाख अनुग्रह राशि का प्रावधान किया जाए।3. माननीय पूर्व मुख्यमंत्री जी द्वारा सी.एम. हाउस में 25 अगस्त 2018 की घोषणा एवं 28 जून 2023 को ग्राम रोजगार सहायकों की महापंचायत मे पदनाम बदलकर सहायक पंचायत सचिव की घोषणा की गई है। अत: सहायक सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के पद पर नियमितिकरण का आदेश जारी किया जाए।4. समस्त कर्मचारियों की तरह समान कार्य समान वेतन, वार्षिक वेतन वृद्धि, टी.ए./डी.ए., ईपीएफ कटौती, स्थानांतरण नीति विशेष परिस्थिति में जिले से बाहर स्थानान्तरण की सुविधा दी जाए।

ज्ञापन में ये रहे मौजूद चंद्रभान यादव ,थरेंद्र कुमार महार ,बृजेश त्रिपाठी ,लखनलाल सिंह, चंद्रभान कुशवाहा, रामखेलावन यादव देवकीनंदन, राजेश यादव, रविंद्र जायसवाल, सतीश गौतम, दीपक सिंह, राजेश गुप्ता ,मुकेश सिंह ,नरेंद्र द्विवेदी, सीता राठौड़, माया राठौर, सावित्री राठौर, उमा सिंह, प्रभा बघेल अमरवती श्याम, काली सहित अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ जैतहरी कोतमा अनूपपुर जनपद के 277 ग्राम पंचायतो के रोजगार ज्ञापन देने में उपस्थित रहे।

क्षेत्रीयजनों को रोजगार और अपने जिम्मेदारियो को लेकर सजग रहते हैं पुरोहित

उद्योगहित में जिम्मेदारियों का निर्वहन करना माना अपना कर्तव्य

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, अनूपपुर एवं शहडोल जिले की सीमा पर संचालित ओरिएंट पेपर मिल की सहायक कंपनी सोडा कास्टिक यूनिट में बीते दिनों हुए गैस रिसाव बाद से स्थानीय लोगों में भिन्न-भिन्न प्रतिक्रियाएं और शिकायतों का दौर लगा रहा। कुछ ने कंपनी पर कई गम्भीर आरोप लगाए वहीं कुछ लोगों द्वारा कंपनी के प्रति अपनी सहानुभूति प्रकट करते हुए प्रोडक्शन मैनेजर एवं टीम के कार्यों कि सराहना भी किया गया।

प्रोडक्शन मैनेजर के लम्बे कार्य अनुभव का मिला लाभ सोडा कास्टिक यूनिट के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाले स्थानीयजनों कि मानें तो उद्योगहित में दायित्वों का निर्वहन करने वाले प्रोडक्शन मैनेजर ए के पुरोहित को लम्बा कार्य अनुभव है, यही कारण है कि वह अपने कार्यों के प्रति हमेशा सजग रहते हैं। गैस रिसाव के दिन भी उन्होंने अपनी सूझ-बूझ एवं सजगता का परिचय देकर, जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया, जिस समय सोडा कास्टिक यूनिट से गैस रिसाव हुआ उस दौरान प्रोडक्शन मैनेजर परिवार सहित निजी आवास पर थे। बावजूद इसके घटना की जानकारी लगने के तत्काल बाद वह कारखाना में पहुंचकर, स्वयं गैस रिसाव के रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाए साथ ही उच्च अधिकारियों को घटनाक्रम से अवगत कराते हुए। मौजूद कर्मचारियों को तत्काल कंपनी में लगे सायरन को बजाने के लिए निर्देशित भी किया गया।

प्रोडक्शन मैनेजर कि सक्रियता एवं सूझ-बूझ से टला बड़ा हादसा कास्टिक सोडा युनिट में हुए गैस रिसाव के दौरान प्रोडक्शन मैनेजर द्वारा समय रहते अगर समझदारी व सक्रियता दिखाया नही गया होता तो गम्भीर घटनाऐं घटित हो सकती थी। ऐसी सम्भावनाओं से कदापि इंकार नही किया जा सकता है। अनुभवशील प्रोडक्शन मैनेजर द्वारा किए गए अनुभव का बखूबी इस्तेमाल एवं उनकी सक्रियता व सूझ-बूझ निश्चिततौर पर प्रशंसनीय है।

गांधी जयंती पर जनजातीय कार्य विभाग द्वारा अस्पृश्यता निवारण सद्भावना शिविर एवं समरसता भोज का किया गया आयोजन

शिक्षा के माध्यम से जागृति का मार्ग खोलकर समाज के पिछड़े व वंचित वर्ग को मुख्य धारा से जोड़ने के प्रयास सराहनीय – कोल विकास प्राधिकरण अध्यक्ष श्री रामलाल रौतेल

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, 2 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर जनजातीय कार्य विभाग द्वारा शासकीय उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय अनूपपुर प्रांगण में अस्पृश्यता निवारण सद्भावना शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर राज्य कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष (केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) श्री रामलाल रौतेल तथा विशेष अतिथि के रूप में जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह तथा जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाल्मिकी राठौर उपस्थित रहे। सद्भावना शिविर में संयुक्त कलेक्टर श्री दिलीप कुमार पाण्डेय, जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त सुश्री सरिता नायक, क्षेत्र संयोजक श्री एस.के. बाजपेयी, नायब तहसीलदार श्री मंगलादास चक्रवर्ती, श्री मिथला प्रसाद पटेल, पीआरओ सुश्री कुसुम मरकाम, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य श्री एच.एल. बहेलिया, शासकीय कन्या उ.मा. विद्यालय के प्राचार्य डॉ. कौशलेन्द्र सिंह, बीआरसी पुष्पराजगढ़ श्री हरप्रसाद तिवारी, जनजातीय कार्य विभाग के जिला क्रीड़ा प्रभारी मोहम्मद खलील कुरैशी, सर्व शिक्षा अभियान के एपीसी श्री विनोद गुप्ता तथा विभिन्न समाज के नागरिक उपस्थित थे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यालयीन छात्र-छात्राओं तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों, नागरिकों ने भी सहभागिता की। इस अवसर पर राज्य कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष (केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) श्री रामलाल रौतेल ने कहा कि सद्भावना शिविर एवं सामाजिक समरसता भोज का आयोजन किया जिसमें सभी वर्गों के लोगों की सामूहिक उपस्थिति सामाजिक सद्भाव को प्रदर्शित करती है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सद्भाव आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सामाजिक व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए केन्द्र और राज्य शासन द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती के अवसर पर इस शिविर का महत्व और बढ़ गया है। उन्होंने शिक्षा के माध्यम से जागृति का मार्ग खोलकर समाज के पिछड़े व वंचित वर्ग को भी मुख्य धारा में शामिल कर छुआछूत की सामाजिक बुराईयों को समाप्त करने के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह तथा जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाल्मिकी राठौर ने भी अस्पृश्यता निवारण सद्भावना शिविर एवं सामाजिक समरसता भोज कार्यक्रम की सराहना करते हुए सामाजिक सद्भाव को कायम रखने के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर सामाजिक समरसता भोज में सभी लोगों ने सामूहिक सहभागिता निभाई। आयोजन को सफल बनाने के लिए उपस्थित लोगों का जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त सरिता नायक ने आभार जताया।

नवरात्री पर्व पर पंचायत का विशेष सफाई अभियान...

(मंदिर,पूजा स्थलों की हो रही साफ-सफाई)

लाकेश पंचेश्वर | सिटी चीफ

लालबर्रा, ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा के द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी आगामी नवरात्री पर्व के मद्देनजर साफ-सफाई व विधुत सुधार कार्य किया जा रहा है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए ग्राम पंचायत सरपंच अनीस खान ने बताया कि आगामी नवरात्रि पर्व के दौरान ग्राम पंचायत क्षेत्र के सभी धार्मिक स्थल,मंदिरो के कार्यक्रम स्थल के निकट सफाई कार्य किया जा रहा है जिसमे लालबर्रा नगर मुख्यालय गंज,हाईस्कूल मैदान, सरस्वती सभा मंच,सतबहनी मंदिर ग्राम,पांढरवानी, रामजीटोला सहित ग्राम पंचायत के मंदिरों व पूजा स्थल के आस पास सफाई कार्य किया जा रहा है जिसमे नाली सफाई कार्य, कचरा मार दवाई से कचरा सफाई कार्य,झाड़ी,घाँस कटाई छटाई कार्य शामिल हैं इसके अलावा लालबर्रा नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में स्ट्रीट लाईट सुधार कार्य भी हो रहा है।

जिला सत्र न्यायालय के प्रांगण में अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस व मध्यस्थता जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष पीसी गुप्ता के मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में जिला एवं सत्र न्यायालय के प्रांगण में अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस एवं मध्यस्थता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। साथ ही स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का समापन भी आज जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर प्रधान जिला न्यायाधीश पी सी गुप्ता द्वारा माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया।इस अवसर पर श्रीमान प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश पंकज जायसवाल, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी श्रीमती चैनवती ताराम, न्यायिक मजिस्टेज्ट/प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड सुश्री अंजली शाह, जिला रजिस्ट्रार/न्यायिक मजिस्टेज्ट श्रीमती पारुल जैन, जिला विधिक सहायता अधिकारी दिलावर सिंह एवं जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संतोष सिंह परिहार के द्वारा माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला अधिवक्ता संघ के सदस्य अखिलेश सिंह ने किया।मुख्य वक्ता के रूप में समाज सेवी गिरीश पटेल, जिला न्यायालय अनूपपुर से अधिवक्ता चंद्रकांत पटेल, विजेन्द्र सोनी, राम कुमार राठौड, हनुमान शरण तिवारी, जिला लोक अभियोजन से जिला लोक अभियोजक पुष्पेंद्र मिश्रा एवं लीगल एड डिफेंस काउंसिल के डिप्टी चीफ शाबिर अली खान, सहायक डिफेंस काउंसिल आयुष सोनी, सहायक डिफेंस काउंसिल श्रीमती शोभा पटेल एवं जिला न्यायालय अनूपपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। अंत में कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन जिला विधिक सहायता अधिकारी दिलावर सिंह ने किया।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान का हुआ शुभारम्भ

जिलाधिकारी ने हरी झण्डी दिखाकर जागरूकता रैली को किया रवाना

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार के निर्देशानुसार माह अक्टूबर 2024 में 01 अक्टूबर 2024 से 31 अक्टूबर 2024 तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं 11 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2024 तक दस्तक अभियान का उद्घाटन किया गया एवं जनजागरूकता रैली को हरी झण्डी दिखाई गयी। इसी के साथ विश्व वृद्ध दिवस के अवसर पर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का भी उद्घाटन किया गया।जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का उद्देश्य संचारी रोगों पर नियंत्रण हेतु जनता को जागरूक करना एवं रोगों से कैसे बचा जा सकता है के लिये प्रेरित करना है। पूर्व वर्षो में संचारी रोग पखवाडा, संचारी माह मनाये जाने से प्रदेश में अब संक्रामक रोगों में काफी गिरावट आई है। इस अभियान में जनपद स्तर एवं ब्लॉक पर ए0एन0एम0, आशा, एवं आंगनवाडी के सहयोग से संचारी रोगों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। जनपद एवं ब्लॉक स्तर पर इस अभियान में संचारी रोग से बचाव हेतु व्यापक स्तर पर प्रचार- प्रसार (हॉर्डिग, बैनर, पैम्फलेट एवं माइकिंग आदि) के लिये समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गयी है। डीएम मनीष बंसल ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि लक्ष्य के सापेक्ष कार्य करें। उन्होंने आशा, आंगनवाडी एवं ए0एन0एम0 से संचारी रोग/गैर संचारी रोग के विषय में प्रश्न पूछकर जानकारी ली। उन्होंने विभागों द्वारा लगाये गये स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा उनसे कार्यक्रमों के विषय में जानकारी ली। सभी जनमानस को बताया गया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान में अपना सहयोग प्रदान करें। जिससे संचारी रोग जैसे, डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, टी0बी0, डायरिया इत्यादि रोगों से बचा जा सकें।मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 प्रवीण कुमार ने बताया कि अभियान में संचारी रोगों व दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण के साथ ही दस्तक अभियान के अर्न्तगत फ्रंटलाइन वर्कर्स (आशा) द्वारा बुखार के रोगियों की सूची, आई0एल0आई0 रोगियों की सूची, क्षय रोग के लक्षण युक्त व्यक्तियों की सूची, कुपोषित बच्चों की सूची, क्षेत्रवार ऐसे मकानों की सूची जहां घरों के भीतर मच्छरों का प्रजनन पाया गया हो आदि की सूची बनाकर अपनी रिपोर्ट के साथ प्रतिदिन कार्य की समाप्ति पर ई-कवच पोर्टल के माध्यम से ब्लॉक मुख्यालय पर उपलब्ध करायेगें। सभी ब्लॉकों एवं ग्राम स्तरों पर अभियान का शुभारम्भ सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा किया गया। अभियान के शुभारम्भ के मौके पर वेक्टर जनित रोग नियंत्रण एवं बचाव हेतु स्टाल लगाया गया, जिसमें डेंगू, मलेरिया व अन्य संचारी रोगों से बचाव हेतु क्या करें, क्या न करें के बारे में जनमानस को जानकारी दी। नगर निगम, सहारनपुर द्वारा नालियों की सफाई गड्ढ़ों को बन्द करना, एण्टी लार्वा का छिड़काव एवं फागिंग समय-समय पर कराई जायेगी। जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती शिवांका गौड़ द्वारा बताया गया कि शासन के निर्देशानुसार दस्तक अभियान में संचारी रोगों रोकथाम एवं नियंत्रण गतिविधियों अभियान के अर्न्तगत आशाओं द्वारा घर-घर जाकर जागरूक करेगी। ग्राम पंचायत द्वारा नाले एवं नालियों की साफ-सफाई, झाडियों की कटाई व जल भराव के निस्तारण, शौचालय की सफाई तथा घर से जलनिकासी का कार्य कराया जायेगा ।डब्लू0एच0ओ0/डी0एम0सी0 द्वारा अभियान का सर्वेलेन्स किया जायेगा, जिसकी रिपोर्ट राज्य मुख्यालय को डब्लू0एच0ओ0 द्वारा प्रेषित की जायेगी। सभी विभाग अपने द्वारा कराये जा रहे कार्यो की रिपोर्ट राज्य मुख्यालय द्वारा निर्गत किये गये डेस्क बोर्ड के माध्यम से स्वत: देख कर आवश्यक सुधार कर पायेगे। उन्होने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग दिमागी बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों, जल जनित रोगों तथा उष्ण मौसम से संबंधित रोगों परं नियंत्रण गतिविधियों हेतु जनपद, ब्लाक तथा पंचायत/ग्राम स्तरों पर विभिन्न विभागों के बीच समन्वय हेतु नोडल विभाग का कार्य करेगा। नगर विकास विभाग द्वारा नालियों की साफ-सफाई, झाडियों की कटाई व जल भराव के निस्तारण के साथ रोस्टर के अनुसार नगर क्षेत्र में फॉगिंग का कार्य किया जाएगा। आंगनवाडी कार्यकत्रियों के द्वारा अपने क्षेत्र के समस्त कुपोषित तथा अति कुपोषित बच्चों की सूची बनाकर उनको उचित पोषाहार उपलब्ध कराना तथा आवश्यक होने पर पोषण पुनर्वास केन्द्रों पर उपचार तथा पोषण पुनर्वास हेतु भेजने का कार्य किया जाएगा। एसबीडी जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में एफबीडी संस्था की ओर से रक्तदान का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी द्वारा शिविर के उद्घाटन के साथ-साथ रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गये। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 प्रवीण कुमार, प्रमुख अधीक्षक डॉ0 रामानन्द, जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती शिवांका गौड एवं हास्पिटल का स्टाफ,उपस्थित रहे।

वीनू हलकरे बनीं लालबर्रा की पहली अंग्रेजी स्टेनोग्राफर छत्तीसगढ़ के जशपुर जिला न्यायालय में मिली नियुक्ति

माता-पिता के समर्थन और छह साल की कड़ी मेहनत से पाया मुकाम

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ । लालबर्रा, लालबर्रा की बेटी वीनू हलकरे ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए क्षेत्र की पहली अंग्रेजी स्टेनोग्राफर बनने का गौरव प्राप्त किया है। उनका चयन छत्तीसगढ़ राज्य के जशपुर जिला न्यायालय में अंग्रेजी स्टेनोग्राफर के एकमात्र पद पर हुआ है। इस चयन ने वीनू को न केवल अपने परिवार का नाम रोशन करने का मौका दिया, बल्कि लालबर्रा क्षेत्र की बेटियों के लिए भी एक प्रेरणास्त्रोत बना दिया।

छह वर्षो की कठिन तपस्या से पाई सफलता वीनू की इस सफलता के पीछे उनकी छह साल की अथक मेहनत है। 2018 में जबलपुर से आईटीआई अंग्रेजी स्टेनोग्राफी की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी शुरू की। इस लंबे सफर में वीनू ने कई बार परीक्षाएं दीं, लेकिन हर बार कुछ अंकों से सिलेक्शन से चूकने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। वीनू की दृढ़ता और निरंतर अभ्यास ने अंतत: उन्हें यह महत्वपूर्ण सफलता दिलाई।

परिवार का अटूट समर्थन वीनू की सफलता में उनके माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके पिता, सेवानिवृत्त शिक्षक देवीप्रसाद हलकरे, ने बताया, हमारी तीन बेटियां हैं, और हमने कभी बेटा-बेटी में फर्क नहीं किया। जब वीनू ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की इच्छा जताई, तो हमने उसे पूरा समर्थन दिया। वीनू की मां, श्रीमती सावित्री हलकरे, ने कहा कि वे बहुत खुश हैं कि उनकी बेटी ने अपनी मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है। हालांकि, समाज के कुछ लोग वीनू की पढ़ाई को लेकर उनके परिवार पर शादी का दबाव डालते रहे, लेकिन माता-पिता ने हर परिस्थिति में अपनी बेटी का साथ दिया। उन्होंने वीनू को उसकी पढ़ाई जारी रखने का पूरा अवसर दिया, जिससे वीनू का आत्मविश्वास और मजबूत हुआ।

गुरु का मार्गदर्शन बना सफलता की कुंजी वीनू ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरु धानेश्वर सर को भी दिया। उन्होंने बताया कि धानेश्वर सर ने उन्हें न केवल स्टेनोग्राफी की तैयारी कराई, बल्कि सहायक ग्रेड-3 की परीक्षाओं के लिए भी प्रेरित किया। वे हमेशा वीनू के काम पर नजर रखते थे, उसकी गलतियों को सुधारते थे और उसे निरंतर प्रेरित करते रहते थे। वीनू ने कहा, धानेश्वर सर ने मुझे हर परीक्षा के लिए तैयार किया। वे व्यक्तिगत रूप से मेरी पढ़ाई में रुचि लेते थे और हमेशा मुझे प्रोत्साहित करते थे। उनकी प्रेरणा और मार्गदर्शन के बिना यह सफलता पाना संभव नहीं था।

कोरोना काल में भी नहीं रुकींकोरोना महामारी के दौरान भी वीनू ने अपनी पढ़ाई जारी रखी। एक बार जयपुर हाईकोर्ट की परीक्षा देने के बाद वीनू और उनके पिता कोरोना से संक्रमित हो गए थे। पिताजी की तबीयत गंभीर हो गई थी और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। इस कठिन समय के बावजूद, ठीक होने के बाद वीनू ने पूरी ताकत से पढ़ाई में वापसी की और अपनी तैयारियों को जारी रखा।

लड़कियों को वीनू का संदेश वीनू ने अपनी सफलता के बाद उन लड़कियों के लिए एक प्रेरणादायक संदेश दिया, जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने कहा, आप अपने माता-पिता का विश्वास जीतें और अपनी मेहनत से यह साबित करें कि आप क्या कर सकती हैं। एक बार जब माता-पिता को यकीन हो जाएगा कि उनकी बेटी मेहनत कर रही है, तो वे भी पूरा समर्थन देंगे। वीनू ने यह भी कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में निरंतरता बहुत जरूरी है। शुरुआत में यह कठिन लगता है, लेकिन धीरे-धीरे आदत बन जाती है और आप अपनी कमजोरियों पर काम करके सफलता की ओर बढ़ते हैं।

छत्तीसगढ़ में चयन का विशेष महत्व वीनू का चयन छत्तीसगढ़ में हुआ, जो उन राज्यों में से एक है जहां ओल्ड पेंशन स्कीम लागू है। ओपीएस के तहत कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद बेहतर पेंशन लाभ मिलता है। मध्यप्रदेश में अभी न्यू पेंशन सिस्टम लागू है, जिसे कई कर्मचारी लाभदायक नहीं मानते और इसका विरोध करते हैं।

निरंतरता और दृढ़ता से मिली जीत वीनू हलकरे की यह उपलब्धि उनके संघर्ष, मेहनत और धैर्य का प्रतीक है। उनकी कहानी उन सभी विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणा है, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। वीनू का कहना है कि चाहे रास्ता कितना भी कठिन हो, अगर आप में लगन और निरंतरता है, तो कोई भी मंजिल असंभव नहीं है।

बेटियों को मिलना चाहिए प्रोत्साहन वीनू हलकरे की सफलता लालबर्रा क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने यह साबित कर दिया है कि मेहनत, सही मार्गदर्शन और परिवार के समर्थन से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उनकी यह उपलब्धि उन सभी लड़कियों के लिए प्रेरणा है, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए संघर्ष कर रही हैं।

जन अभियान परिषद के समन्वयक अधिकारी उमेश जी का भ्रष्टाचार के मीठे से भरा हुआ 410 रुपए का एक केला देश के विकास को दिखाते हुए ठेंगे कि तरह

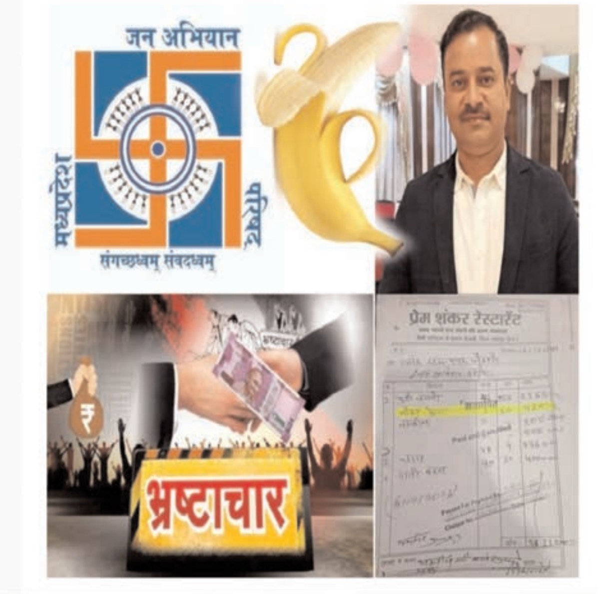

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ । अनुपपुर, अनुपपुर मध्यप्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार विजय उरमालिया जी ने जन अभियान परिषद के समन्वयक अधिकारी उमेश पांडे को बेनकाब करते हुए इनके भ्रष्टाचार के कई खुलासे किए,, परंतु उमेश पांडे पर कोई कार्यवाही न होना इस ओर इशारा करता नजर आ रहा है की उमेश पांडे के भ्रष्टाचार के तार कई भ्रष्टाचारी संरक्षक आकाओं से जुड़े हुए है , तभी तो उमेश पांडे ने 410के एक केले सहित कई फर्जी बिल चाहे वह सालों से बंद दुकान के हो या अन्य किसी संस्थान के भुगतान बिना किसी रोक टोक के हुए किसी जिम्मेदार ने बिल देखने की जहमत और उमेश जी से ये पूछने की हिम्मत भी नहीं की की 410का एक केला? या ये कहे की इस भ्रष्टाचार के केले की मिठास इतनी ज्यादा थी की इस केले की चासनी में सभी ने डुबकी लगा ली , जन अभियान परिषद के समन्वयक अधिकारी उमेश पांडे पर शासकीय राशि दुरुपयोग एवं भ्रष्टाचार कर देश के करदाताओं की मेहनत की गाढ़ी कमाई पर सेंधमारी की है , क्योंकि जिस करदाताओं की कर की राशि से देश का विकास होना था उस राशि से तो उमेश पांडे जी जैसे अधिकारियो द्वारा 410 रुपए का एक केला खाया जा रहा है,,,इसके बावजूद इन पर कार्यवाही न होना इस बात का पुख्ता सबूत है की इस भ्रष्टाचार के तार कई उच्च पदाधिकारियों से जुड़े हुए है जिन पर कार्यवाही होना बमुश्किल नजर आती है।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत स्वच्छता सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

स्वच्छता मित्र,सफाई कर्मियों तथा स्वच्छता के क्षेत्र में जन सहभागिता बढ़ाने वाले पंचायत सहायकों को किया गया सम्मानित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ । सहारनपुर, स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत मनीष बंसल जिलाधिकारी अध्यक्ष जिला स्वच्छता समिति के निर्देशानुसार स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत गांधी जयंती 2 अक्टूबर के अवसर पर स्वच्छता सम्मान समारोह का आयोजन जिला स्वच्छता समिति द्वारा विकास भवन स्थित सभागार में किया गया ।

स्वच्छता सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राजीव गुंबर विधायक नगर सहारनपुर ने स्वच्छता मित्र सफाई कर्मियों तथा स्वच्छता के क्षेत्र में जन सहभागिता बढ़ाने वाले पंचायत सहायकों को सम्मानित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री जी के उद्बोधन को रेखांकित करते हुए इस बात पर अपील किया की स्वच्छता की दिशा में हम सबको मिलकर प्रयास करना है। श्री गुंबर ने भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा स्वच्छता की दिशा में किये जा रहे सराहनीय कार्यों का जिक्र करते हुए यह बताया कि माननीय प्रधानमंत्री जी के बताए रास्तों पर चलकर ही हम देश को स्वच्छ एवं विकसित बना सकते हैं। सबका साथ सबका विकास की बात पर जोर देते हुए अपील की हम सब मिलकर जनपद को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने में अपना योगदान दे। मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन ने स्वच्छता शपथ दिला कर उपस्थित प्रतिभागियों को विकसित भारत भारत बनाने के लिए अभिप्रेरित किया। इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षा विभाग एवं बेसिक शिक्षा विभाग के सहयोग से जिला गंगा समिति तथा जिला स्वच्छता समिति द्वारा आयोजित कराई गई चित्रकला प्रतियोगिता की उत्कृष्ट प्रविष्टिओ की चित्रकला प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम में इंद्रपाल सिंह उपायुक्त स्वत रोजगार, प्रणय कृष्ण पीडी डीआरडीए, जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक शर्मा स्वच्छता सलाहकार संदीप सिंह, आशीष सिंह, देव भास्कर पांडे सहित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 155 वीं एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 120 वीं जयंती कलेक्ट्रेट में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

जिलाधिकारी ने महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर चढ़ाए श्रद्धा के पुष्प

गौरव सिंघल । सिटी चीफ । सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में सत्य और अहिंसा के पुजारी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 155 वीं एवं ईमानदारी व सादगी के प्रतिमूर्ति पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 120 वीं जयंती श्रद्धा, सम्मान एवं हर्षोल्लास के साथ वातावरण मे कलेक्ट्रेट में मनायी गयी। कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा प्रात: 09:00 बजे ध्वज फहराने के बाद राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर श्रध्दा के पुष्प एवं माल्यार्पण किया गया। इसके साथ ही अपर जिला अधिकारी (प्रशासन) डॉ0 अर्चना द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) रजनीश कुमार मिश्र, नगर मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार सहित अन्य सभी प्रशासनिक अधिकारीगणों व कलेक्ट्रेट के कर्मचारियों एवं अन्य सम्भ्रान्त व्यक्तियों में महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन करते हुये पुष्प अर्पित किया।

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के बारे में जितना कहा जाए उतना कम है। लाल बहादुर शास्त्री ने देश को कठिन समय में सही दिशा दिखाई थी और दृढ़ निश्चय के साथ देश को समस्याओं से पार कराया था। खाद्य पदार्थों के संकट के समय उन्होंने देश के प्रधानमंत्री होने पर स्वयं दूध का सेवन छोड़ते हुए और अन्य खाद्य सामग्री में कमी करते हुए देश को संबोधित करते हुए कहा था कि हमें संयम रखते हुए अपने जीवन में बदलाव लाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि दूसरों पर नियम लागू करने से पहले स्वयं पर लागू करें। दोनों महापुरुषों के जीवन से सीखा जा सकता है कि दूसरों की मदद कैसे करनी है। उनके सिद्धान्तों एवं आदर्शों के व्हारिक पक्ष को आत्मसात करना ही उनके प्रति हम सबकी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने गांधी जी के अहिंसात्मक नेतृत्व शैली, विचारधारा, सत्यनिष्ठा, देशभक्ति एवं शास्त्री जी के आत्मबल, दृढ़ विश्वास, सहज, सरल स्वभाव और अदम्य साहस पर प्रकाश डालते हुये उपस्थित लोगों से इन महापुरुषों की जीवन शैली एवं कार्यशैली से सीख लेकर उसे अपनी आदत में शामिल करने हेतु प्रेरित किया। अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी ने कहा कि महात्मा गांधी जी की जयंती सम्पूर्ण विश्व में अहिंसा दिवस के रूप में मनाई जाती है। उन्होंने गांधी जी के स्वदेशी, सत्य अहिंसा और स्वच्छता के संदेश पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बाह्य स्वच्छता के साथ साथ अपने अंतर्मन को भी स्वच्छ रखना जरूरी है। जिससे हम लोगों की ज्यादा से ज्यादा मदद कर सकेंगे।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र ने महापुरूषों को नमन करते हुए कहा कि समय बीतने के साथ गांधी जी के विचारों की प्रासंगिकता बढती जा रही है। गांधी जी का जीवन एक दर्शन है। उन्होंने कहा कि सादा जीवन उच्च विचार को अपने जीवन में आत्मसात करें यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

नगर मजिस्ट्रेट गजेंद्र कुमार ने सुख के सब साथी, दुख में न कोई गीत गाने के साथ महापुरुषों के बताए गए मार्ग पर कठिन से कठिन समय में चलने के लिए प्रेरित किया। दिव्यांग कुलदीप पाल ने रामधुन के साथ गाँधी जी का प्रिय भजन "रघुपति राघव राजाराम, पतित पावन सीता राम" वैष्णव जन तो तेरे कहिए, पीर पराई जाने रे.. गाया। जिलाधिकारी ने उन्हें अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर श्वेता पांडे एवं डॉक्टर पूर्वा सहित अन्य वक्ताओं ने गांधी जी एवं शास्त्री जी के कार्यों, सिद्धान्तों और उनकी सरल जीवन शैली पर विभिन्न तरीकों, संस्मरणों और उदाहरणों को प्रस्तुत करते हुए अपने विचार व्यक्त किये। वक्ताओं ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के विचारों में अहिंसात्मक दृढ़ता, सादगीपूर्ण परन्तु महत्वाकांक्षी व्यक्तित्व, उनका जीवन दर्शन आदि पर अपने विचार व्यक्त करते हुये वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इसकी प्रासंगिकता की आवश्यकता पर जोर दिया।

जिलाधिकारी द्वारा रविन्द्र कुमार प्रधान सहायक, पारस कुमार, विनोद कुमार चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, संजीव कुमार इलेक्ट्रीशियन और संजीव कुमार सफाई कर्मचारी को अपने पदीय एवं शासकीय दायित्वों का निर्वहन पूर्ण लगन एवं निष्ठा से करने के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सडक सुरक्षा पखवाडा का हुआ शुभारंभ

सडक सुरक्षा जागरूकता हेतु प्रचार वाहन के साथ एक भव्य बाइक रैली को जिलाधिकारी एवं एसएसपी ने हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

गौरव सिंघल । सिटी चीफ । सहारनपुर, सडक सुरक्षा पखवाडा दिनांक 02.10.2024 से 16.10.2024 तक मनाये जाने हेतु शासन द्वारा प्राप्त निर्देशों के क्रम में सडक सुरक्षा के प्रति आमजनमानस में जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से आज मनीष बंसल, जिलाधिकारी महोदय सहारनपुर एवं रोहित सिंह सजवाण, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर के निर्देशन में जनपद सहारनपुर पुलिस लाईन परिसर में सड़क सुरक्षा पखवाडा हेतु उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा सभी वाहन चालकों को वाहन चलाते समय सीट बेल्ट / हेलमेट अवश्य लगाये जाने हेतु जागरूक किया गया। इसी क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवान द्वारा भी कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्यों से हेलमेट/सीट बेल्ट अनिवार्य रूप से लगाये जाने के साथ-साथ सभी यातायात नियमों का पालन करने एवं अन्य व्यक्तियों व परिवारजनों को भी यातायात नियमों क पालन करने हेतु प्रेरित करने का अनुरोध किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए एम0पी0सिंह, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) सहारनपुर द्वारा भी यातायात नियमों का पालन करने एवं सडक दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करने वाले नेक आदमी (गुड समेरेटियन) के सम्बन्ध विस्तृत जानकारी सभी उपस्थित गणमान्यों को प्रदान कराते हुए नेक आदमी (गुड समेरेटियन) के सम्बन्ध में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न स्कूलों के शिक्षक एवं छात्रों द्वारा भी सडक सुरक्षा के सम्बन्ध में अपने अनुभव साझा करते हुए सडक सुरक्षा जीवन रक्षा पर प्रकाश डाला गया। कार्यशाला के अन्त में सडक सुरक्षा जागरूकता हेतु प्रचार वाहन के साथ एक भव्य बाईक रैली का भी आयोजन किया गया, जिसको जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा हरी झण्डी दिखाते हुए रवाना किया गया। उक्त दोपहिया रैली पुलिस लाईन परिसर से शुरू करते हुए शहर के मुख्य मार्गो यथा सदर तिराहा, विश्वकर्मा चौक, घण्टाघर, कलेक्ट्रेट तिराहा पर से होते हुए वापस पुलिस लाईन परिसर में समाप्त हुयी, जिसमें बडी संख्या में पुलिस विभाग, परिवहन विभाग, एनसीसी कैडेट्स के साथ-साथ ट्रैफिक वार्डनों के द्वारा प्रतिभाग किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में जिलाधिकारी सहारनपुर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर के साथ-साथ सिद्धार्थ वर्मा, पुलिस अधीक्षक (यातायात) सहारनपुर, देवमणी भारतीय, सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) सहारनपुर, एम0पी0 सिंह, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) सहारनपुर, के0एन0पाण्डेय व वी0वी0 शुक्ला, यात्री/मालकर अधिकारी, सहारनपुर, लोक निर्माण विभाग व चिकित्सा एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ बडी संख्या में ट्रैफिक वार्डन एवं एन0सी0सी0 के कैडेटस व छात्रों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

गायत्री परिवार झारड़ा ने गांगी नदी के तट पर सामूहिक तर्पण पिंडदान किया

झारड़ा अखिल विश्व गायत्री परिवार झारड़ा द्वारा परम पूज्य गुरुदेव एवं माताजी की सूक्ष्म उपस्थिति एवं गायत्री माता की असीम कृपा से सर्व पितृमोक्ष अमावस्या के पावन पर्व पर पितरों की तृप्ति के लिए सामूहिक तर्पण पिंडदान का कार्यक्रम पावटिया हनुमान मंदिर परिसर गांगी नदी के तट पर किया गया जिसमें बड़ी संख्या में परिजन तर्पण के लिए उपस्थित हुए तर्पण के लिए समस्त पूजन सामग्री गायत्री परिवार द्वारा नि:शुल्क उपलब्ध कराई गई तर्पण मुख्य रूप से छ: प्रकार के होते हैं देव तर्पण, ऋषि तर्पण, दिव्यमानव तर्पण, दिव्यपितृ तर्पण , यम तर्पण और मनुष्य पितृ तर्पण। तर्पण के बाद पितृ यज्ञ के द्वारा 12 अलग-अलग पितरों को पिण्ड समर्पित किए, गए जिसमें देवताओं के निमित्त, ऋषियों के निमित्त ,दिव्य मानवों के निमित्त ,दिव्य पितरों के निमित्त, यम के निमित्त, मनुष्य पितरों के निमित्त, मृतात्मा के निमित्त, पुत्रदार रहित के निमित्त, उच्छिन्न कुल वंश वालों के निमित्त ,गर्भपात से मर जाने वालों के निमित्त , अग्नि दग्धो के निमित्त ,इस जन्म या अन्य जन्म के बांधवो के निमित्त पिंड अर्पित किए गए पितरों को हम श्रद्धा दे वे हमें शक्ति देंगे पितृपक्ष में समस्त सनातनी हिंदुओं को तर्पण करना एक अनिवार्य कृत्य है ?जिससे हमारे पितृगण तृप्त एवं पुष्ट होकर हमें अनंत आशीर्वाद एवं सुख समृद्धि प्रदान करते हैं कार्यक्रम में मुख्य रूप से बंसीलाल शर्मा, कैलाश शर्मा टीकमचंद माहेश्वरी, प्रकाश जायसवाल,सुभाष धनोतीया मांगीलाल धानगढ़, रतनबाई जयसवाल, किरण पोरवाल रामबाबू मालवीय, मनोहर सिंह परिहार,मनोहरलाल विश्वकर्मा ईश्वर कुमावत,दिनेश पोरवाल आरती कुमावत,बंटी सोनी इत्यादि 20 परिजनों ने तर्पण में भाग लेकर पितरों को श्रद्धा पूर्वक जलांजलि प्रदान की गई कार्यक्रम का संचालन दिनेश पोरवाल द्वारा किया गया

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के समापन में स्वच्छता लक्षित इकाई का लोकार्पण

खरगोन शासन के निर्देशानुसार 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2024 तक स्वच्छता ही सेवा स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता के अंतर्गत 2 अक्टूबर को स्वच्छता दिवस के अवसर पर गाँधी उद्यान में महात्मा गाँधी जी, लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर प्रतिमा का पूजन कर माल्यार्पण नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती छाया जोशी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री एम.आर. निंगवाल, पार्षदगण एवं जनप्रतिनिधि द्वारा किया गया। स्वच्छता ही सेवा स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता के अंतर्गत 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक संचालित के समापि के अवसर पर नगर के सनावद रोड पर स्थित डी.आर.पी. लाईन पेट्रोल पम्प के सामने जहा पर की कचरे का ढेर बना होकर कचरा स्थान बना हुआ था। उस स्थान पर नगर पालिका के द्वारा आकर्षक सेल्फी पॉइंट का निर्माण किया गया। माता अहिल्या देवी की प्रतिमा स्थापित की गई उक्त स्थल पर प्रतिदिन उपस्थित हो कर शहरवासियों द्वारा मनोरंजन कर लुफ्त उठाया जायेगा। सेल्फी पॉइंट पर चेयर रखकर आमजन के बैठने की व्यवस्था भी की गई है। जिसका लोकार्पण श्री गजेन्द्र सिंह पटेल सांसद खरगोन बडवानी के कर कमलो से किया गया। साथ ही अभियान के अंतर्गत एक पेड़ माँ के नाम पौधारोपण भी किया गया। इस कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती छाया जोशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री बापूसिंह परिहार, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री भोलू कर्मा, लोकनिर्माण सभापति श्री धीरेन्द्रसिंग चौहान, पार्षदगण सर्वश्री भागीरथ बडोले, पार्षद प्रतिनिधि राजेश रावत एवं मुख्य एम.आर. निंगवाल व समाजसेवी श्री गोपाल यादव समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वच्छता पखवाड़े का समापन सफाई मित्रो का सम्मान एवं 01 करोड़ 80 लाख रुपए की नगर परिषद पिपलौदा को मिली सौगात

पिपलोदा - मध्यप्रदेश सरकार द्वारा चलाए गए 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर गांधी जयंती तक स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 पखवाड़े के समापन अवसर पर एवं सफाई मित्रो के सम्मान समारोह एवं मध्यप्रदेश शासन द्वारा 01 करोड़ 80 लाख रुपए की लागत से अमृत 2.0 पेयजल योजना का शुभारंभ माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के कर कमलो द्वारा भोपाल से वर्चुली शिलान्यास किया गया इस अवसर पर नगर परिषद पिपलोदा में शासन के निर्देशानुसार स्वच्छता अभियान के अंतर्गत पखवाड़े के समापन अवसर पर विभिन्न गतिविधियों की गई देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबोधन का सीधा प्रसारण कार्यक्रम देखा गया जिसमे 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक किस प्रकार स्वच्छता अभियान चलाया गया मनाया गया और विभिन्न स्थानों पर जो गीतिविधिया आयोजित की गई किस प्रकार से हमे जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करना चाहिए एवं स्वच्छता अभियान के 10 वर्ष पूर्ण होने पर उन्होंने देश वासियों को बधाई दी एवं इसमें अहम भूमिका निभाने वाले सफाई मित्रो के द्वारा किए गए कार्य की सहाराना की और कहा की स्वच्छता रखना केवल किसी एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं बल्कि हर वर्ग ,प्रत्येक व्यक्ति के जन सहयोग एवं जन भागीदारी से ही यह संकल्प पूरा हुआ है इस अवसर पर मध्य प्रदेश में राज्य स्तरीय भोपाल में आयोजित अनेक परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह के अंतर्गत नगर परिषद पिपलोदा को भी 01 करोड़ 80 लाख रुपए की अमृत 2.0 पेयजल योजना का वर्चुली शिलान्यास कार्यक्रम माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा किया गया जिसका सीधा प्रसारण कार्यक्रम संबोधन नगर के मांगलिक भवन में देखा गया। कार्यक्रम के सर्वप्रथम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण पर किया गया।

लेबनान में हिजबुल्लाह ने इजराइल के कैप्टन समेत 8 जवानों को उतारा मौत के घाट

तेहरान/तेल अवीव। इजराइल इस वक्त हमास, हिजबुल्लाह और ईरान के साथ सीधी लड़ाई लड़ रहा है। ईरान और इजराइल का यह युद्ध विश्व युद्ध की आशंका बढ़ा रहा है। मंगलवार रात को ईरान ने घंटे भर में पूरे इजराइल पर 200 मिसाइल दागकर सीधे युद्ध का आगाज कर दिया। ईरानी हमले से इजराइल अभी उबरा भी नहीं था, लेबनान में उसे हिजबुल्लाह ने तगड़ी चोट दी है। जमीनी लड़ाई में इजराइल के 22 वर्षीय कैप्टन समेत आठ सैनिकों को हिजबुल्लाह के लड़ाकों ने मार डाला है। इजराइली सेना ने भी अपने जवानों की मौत की पुष्टि कर दी है। लेबनान में चल रही भीषण लड़ाई के बीच हिजबुल्लाह का कहना है कि उसने इजराइली सेना पर बमों से हमला किया है। इससे आईडीएफ में हाहाकार मच गया। हिजबुल्लाह ने अपनी सैन्य रणनीति से आईडीएफ को पछाड़ने के भी दावे किए हैं।

लेबनान के दक्षिणी इलाके में इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच जारी जमीनी लड़ाई में बुधवार को इजराइली सेना 2 किमी अंदर मरून अल-रस गांव पहुंच गई है। बीबीसी के मुताबिक, यहां इजराइली सैनिकों की हिजबुल्लाह के लड़ाकों से मुठभेड़ भी हुई। आमने-सामने की इस लड़ाई में अब तक इजराइल के 8 सैनिकों की मौत हो गई, जबकि 18 घायल हुए हैं। हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसने इजराइल के 3 टैंक भी तबाह कर दिए हैं। इजराइली सेना ने कहा कि 22 साल के कैप्टन इतन इत्जाक ओस्टर की बुधवार को हिजबुल्लाह के खिलाफ लड़ाई में मौत हो गई है, हालांकि आईडीएफ ने इस पर अधिक जानकारी नहीं दी। इजराइली सेना ने इसके बाद बयान दिया कि लेबनान में युद्ध अभियानों में मारे गए जवानों की संख्या आठ हो गई है। हिजबुल्लाह के खिलाफ

जमीनी लड़ाई में इजराइल के लिए यह बुरी खबर इसलिए भी है, क्योंकि एक दिन पहले ईरान ने घंटेभर में 200 मिसाइल दागकर इजराइल को दहला दिया था। आईडीएफ ने पहले कहा था कि दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह आतंकवादियों के साथ उनके सैनिकों की भीषण मुठभेड़ हो रही है।

हिजबुल्लाह का दावा- जान बचाकर भाग रहे इजराइली सैनिक

दूसरी तरफ हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसने दक्षिणी सीमावर्ती गांव के निकट इजराइली सेना को विस्फोटक उपकरण से निशाना बनाया। इस हमले के लिए इजराइली सेना तैयार नहीं थी और इससे उनमें अफरा-तफरी मच गई। हिजबुल्लाह ने कहा कि हमारे हमलों ने आईडीएफ को चौंका दिया है। आतंकवादी समूह ने इजराइली सेना को पछाड़ने का दावा करते हुए कहा, हहमने इजराइली सेना की यारून गांव में घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया है।

18 साल बाद लेबनान की धरती पर हिजबुल्लाह और इजराइल में जमीनी लड़ाई

इससे पहले भी हिजबुल्लाह ने पहले कहा था कि उसने इजराइली सैनिकों को उत्तर-पूर्व में सीमावर्ती गांव अदैसेह में घुसने के प्रयास को विफल कर दिया था। तकरीबन 18 साल बाद ईरान समर्थित आतंकी समूह हिजबुल्लाह और इजराइल लेबनान की धरती पर आमने-सामने हैं। 2006 के संग्राम में इजराइल और हिजबुल्लाह ने अपनी जीत के दावे किए थे। इजराइल ने हालांकि यह जरूर कबूला था कि 2006 में वह हिजबुल्लाह को उतना नुकसान नहीं पहुंचा पाई और बिना रणनीति के युद्ध लड़ने का फैसला गलत साबित हुआ। इसलिए इस बार इजराइल ने पहले हवाई हमलों में हिजबुल्लाह के चीफ और कमांडरों को मार डाला। पेजर और वॉकी-टॉकी अटेक में कई लड़ाकों को अपंग कर दिया। इसके अलावा साउथ लेबनान में कई घरों को निशाना बनाते हुए हिजबुल्लाह के हथियारों और मिसाइलों को नष्ट कर दिया।

यूएन चीफ एंटोनियो गुटेरेस के इजराइल आने पर इजराइल ने लगाई रोक

ईरान के हमले के बाद इजराइल ने यूएन चीफ एंटोनियो गुटेरेस के इजराइल आने पर रोक लगा दी है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, इजराइल के विदेश मंत्री ने कहा कि वठ चीफ ने ईरान के हमलों की निंदा नहीं की, जिसके बाद यह फैसला लिया गया।

चार जिलों में सात स्थानों पर तटबंधों में दरारें, केंद्रीय मंत्री ने लिया जायजा

बिहार में बाढ़ से 11.84 लाख लोग प्रभावित

पटना। बिहार में बाढ़ की स्थिति से 11.84 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। आपदा प्रबंधन विभाग ने पुष्टि की कि 16 जिलों के 78 ब्लॉकों में 368 पंचायतों में 11.84 लाख लोग प्रभावित हैं। चार जिलों में सात स्थानों पर तटबंधों में दरारें आने की सूचना मिली है।

निकासी कार्यों के लिए, 16 राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) दल और 14 राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) दल को तैनात किया गया है। वाराणसी और रांची से अतिरिक्त एनडीआरएफ दल रास्ते में हैं। प्रभावित क्षेत्रों में चिकित्सा आपात स्थिति में सहायता के लिए लगभग 840 नौकाएं, जिनमें 10 नौका एम्बुलेंस शामिल हैं, संचालित हो रही हैं।

आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, वर्तमान में 24 राहत शिविरों में 12,400 व्यक्ति रह रहे हैं, जबकि 208 सामुदायिक रसोई में 86,900 लोगों को भोजन मिल रहा है। बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत और सहायता प्रदान करने के लिए अधिकारी अपने प्रयास जारी रखते हैं, क्योंकि स्थिति गंभीर बनी हुई है।

विनाश कम करने के लिए एक अतिरिक्त बैराज के निर्माण का आग्रह

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के लिए निकले हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी नई दिल्ली से लौटने के बाद बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया, नेपाल सीमा पर स्थित एक बैराज से छोड़े गए पानी से हुए नुकसान का आंकलन किया। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने बताया कि भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टरों ने सीतामढ़ी और दरभंगा जिलों में दो लाख से अधिक लोगों को लाभान्वित करते हुए खाद्य सामग्री और राहत सामग्री हवाई जहाज से गिराई है। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दिल्ली में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से मुलाकात की, जिसमें उन्होंने नेपाल सीमावर्ती क्षेत्रों में वार्षिक बाढ़ विनाश को कम करने के लिए एक अतिरिक्त बैराज के निर्माण का आग्रह किया।

पासवान ने पूर्णिया और सहरसा जैसे गंभीर रूप से प्रभावित जिलों में राहत कार्यों का निरीक्षण किया, शिकायतों का समाधान किया और जरूरत पड़ने पर अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने बाढ़ की गंभीरता का उल्लेख करते हुए राज्य सरकार द्वारा स्थिति को संभालने में संतोष व्यक्त किया। पासवान ने इस बात पर जोर दिया कि नदियों को आपस में जोड़ने जैसा कोई कट्टरपंथी उपाय आवर्ती बाढ़ का स्थायी समाधान प्रदान कर सकता है। राजद सांसद मीसा भारती की ओर से आलोचना हुई, जिन्होंने फंसे हुए व्यक्तियों के परेशान करने वाले दृश्यों के बीच एनडीए सरकार पर देरी से प्रतिक्रिया देने का आरोप लगाया।

बिहार की कई नदियां उफान पर

हालांकि, अभी तक एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम मौके पर नहीं पहुंची है। इन दिनों नेपाल में भारी बारिश हो रही है, जिसकी वजह से बिहार की कई नदियां उफान पर हैं। 16 जिलों के करीब 10 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित है। भारतीय वायु सेना के एचएएल ध्रुव हेलीकॉप्टर को बाढ़ राहत कर्तव्यों के दौरान बिहार के मुजफ्फरपुर में पानी में उतरना पड़ा। राहत की बात ये है कि सभी क्रू मेंबर सुरक्षित हैं।

बिहार के 12 जिलों में बाढ़ से हालात बेहद खराब

पूर्णिया, सहरसा, सुपौल, दरभंगा में हालात बेहद खराब हैं। वहीं, मजफ्फरपुर की नदियों का जलस्तर काफी बढ़ गया। गंडक, बूढ़ी गंडक और बागमती खतरे के निशान से ऊपर बहने लगी। निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुसने लगा, जिससे औराई और कटरा प्रखंड के 25 से अधिक गांव में बाढ़ का पानी घुस गया है। बिहार के 12 जिलों में बाढ़ से हालात बेहद खराब है। वहीं, अब राहत और बचाव कार्य के लिए मंगलवार से सेना ने मोर्चा संभाला हुआ है।

बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री लेकर सीतामगढ़ी जा रहा था वायुसेना का हेलिकॉप्टर

हेलिकॉप्टर का टूटा ब्लेड, पानी में करानी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर में भारतीय वायुसेना के एक एडवांस लाइट हेलिकॉप्टर बुधवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ऐसा बताया जा रहा है कि वायुसेना का हेलिकॉप्टर बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री लेकर सीतामगढ़ी जा रहा था, तभी यह हादसा हो गया। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ऐसा बताया जा रहा है कि सभी जवान और पायलट सुरक्षित है।

वायुसेना का हेलिकॉप्टर मुजफ्फरपुर के औराई में बुधवार को उस वक्त क्रैश हो गया, जब वह बाढ़ राहत साम्रगी लेकर जा रहा था। तभी हेलिकॉप्टर के एक ब्लेड में कोई तकनीकी परेशानी आ गई थी। इसके बाद हेलिकॉप्टर की बाढ़ के पानी में हाई लैंडिंग कराई गई। सभी जवान व पायलट सुरक्षित है। इस हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया और स्थानीय लोग भी वहां पहुंच गए।

खबर के मुताबिक, स्थानीय लोगों ने हेलिकॉप्टर में मौजूद तीन वायुसेना के अधिकारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। उन्हें नाव की मदद से सुरक्षित जगह पर पहुंचा दिया गया है। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि वायुसेना का हेलिकॉप्टर आधा पानी में डूबा हुआ है। जिसमें से स्थानीय लोग राहत सामग्री को बाहर निकाल रहे हैं।

नौसेना के तीनों जहाज समुद्री साझेदारी अभ्यास, क्रॉस ट्रेनिंग विजिट और मैरीटाइम पार्टनरशिप एक्सरसाइज में लेंगे हिस्सा

पश्चिम एशिया में गहराया तनाव, ईरान के बंदरगाह पहुंचे तीन भारतीय युद्धपोत

नई दिल्ली। पश्चिमी एशिया में इस्राइल, लेबनान और ईरान के बीच चल रहे तनाव को लेकर भारत चिंतित है और भारतीय विदेश मंत्रालय ने सभी संबंधित पक्षों से संयम बरतने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की पुनः अपील की है। वहीं पश्चिमी एशिया में चल रहे संकट के बीच भारतीय नौसेना के तीन युद्धपोत ईरान के बंदर अब्बास बंदरगाह पहुंचे हैं।

यह तीनों जहाज लॉन्ग रेंज ट्रेनिंग डिप्लॉयमेंट के तहत फारस की खाड़ी पहुंचे हैं। बता दें कि मंगलवार रात को ही ईरान ने इस्राइल के ऊपर 180 मिलाइलें दागीं थीं, जिसके बाद से इस क्षेत्र में तनाव गहरा गया है।

भारतीय नौसेना से मिली जानकारी के मुताबिक भारतीय नौसेना के ये तीनों जहाज फर्स्ट ट्रेनिंग स्क्वाड (आईटीएस) का हिस्सा हैं। भारतीय नौसेना के प्रवक्ता, कमांडर विवेक मधवाल के मुताबिक भारतीय नौसेना के ये तीनों जहाज ईरान दौरे के दौरान ईरान की नेवी के साथ मेरीटाइम सिक्योरिटी और इंटरऑपरेबिलिटी के साथ-साथ प्रोफेशनल एक्सचेंज, समुद्री साझेदारी अभ्यास, क्रॉस ट्रेनिंग विजिट और मैरीटाइम पार्टनरशिप एक्सरसाइज में हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि यह यात्रा समुद्री सहयोग को मजबूत करने और आपसी समझ को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत के पास है चाबहार पोर्ट के संचालन की जिम्मेदारी

सूत्रों का कहना है कि पश्चिमी एशिया में जिस तरह से युद्ध के बादल छाए हुए हैं, ऐसे में भारतीय नौसेना के जहाजों का फारस की खाड़ी में पहुंचने को लेकर बेहद अहम कदम माना जा रहा है। हमास, हिजबुल्लाह और हूती विद्रोहियों को सबक सिखाने के बाद इस्राइल जिस तरह से अब ईरान के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है, ऐसे में ईरान के बंदरगाह पर भारतीय ट्रेनिंग जहाज का पहुंचना मायने रखता है। बता दें कि ईरान के चाबहार पोर्ट के संचालन की जिम्मेदारी भी भारत के पास है। इससे पहले, ईरान के ट्रेनिंग शिप बुशहर और टोनब ने साझा ट्रेनिंग के लिए 24 मार्च को मुंबई का दौरा किया था। ईरानी नौसेना के जहाज देना ने इस साल फरवरी में विशाखापट्टनम में हुई मल्टीनेशन नौसेना नेवल एक्सरसाइज-24 में भी हिस्सा लिया था।

यूएन सुरक्षा परिषद की आपात बैठक में गुटेरेस बोले- गाजा में हो तत्काल युद्ध विराम

वॉशिंगटन। पश्चिम एशिया में बढ़ रहे तनाव के बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक हुई। इसमें संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि पिछले कुछ समय में संघर्ष में काफी वृद्धि हुई है। अब समय आ गया है कि गाजा में सभी बंधकों की बिना शर्त रिहाई के साथ तत्काल युद्ध विराम हो। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ रहे संघर्ष से संयुक्त राष्ट्र परिषद के संकल्प 1701 की रूपरेखा प्रभावित हो रही है। गुटेरेस ने कहा कि मैंने इस बात पर जोर दिया कि लेबनान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। गैर-राज्य सशस्त्र समूहों द्वारा हथियारों का प्रतिदिन इस्तेमाल सुरक्षा परिषद के संकल्प 1559 और 1701 का उल्लंघन है। लेबनान में हिजबुल्ला और इस्राइली रक्षा बलों ने लगातार गोलीबारी करके सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1701 का बार-बार उल्लंघन किया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि पश्चिम एशिया में भड़की आग तेजी से भयावह रूप लेती जा रही है। ठीक एक सप्ताह पहले मैंने सुरक्षा परिषद को लेबनान की चिंताजनक स्थिति के बारे में जानकारी दी थी। तब से चीजें बद से बदतर हो गई हैं।संयुक्त राज्य अमेरिका और फ्रांस समेत कई अन्य देशों ने इस्राइल के सामने अस्थायी युद्धविराम का प्रस्ताव रखा था,

एक ही परिवार ने 40 साल में 630 लीटर किया रक्तदान

अहमदाबाद । गुजरात में एक परिवार ने इतिहास रचते हुए चार दशकों में करीब 630 लीटर रक्तदान किया है। उनमें से चार लोग शतकवीर हैं, क्योंकि उन्होंने 100 से अधिक बार रक्तदान किया है।

परिवार के एक सदस्य 44 वर्षीय डॉ. मौलिन पटेल ने बताया कि वे गुजरात में सबसे कम उम्र के शतकवीर रक्तदाता हैं। डॉ. मौलिन पटेल के अनुसार, पटेल परिवार की तीन पीढ़ियों में 16 लोगों ने 50 से अधिक बार रक्तदान किया है। उनके पिता अशोक पटेल (72) और मां शकुंतला (71) ने 98 बार रक्तदान किया है। डॉ. मौलिन ने कहा, वे एक हफ्ते पहले ही अमेरिका गए थे और वहां पर रक्तदान किया। क्योंकि भारत में आप 65 वर्ष की आयु के बाद रक्तदान नहीं कर सकते, जबकि अमेरिका में कोई आयु सीमा नहीं है। उन्होंने रक्तदान का अपना शतक पूरा करने के बाद ही भारत लौटने का फैसला किया है।

हर तीन महीने में घर पर ही किया जाता है रक्तदान शिविर

यह सब फरवरी 1985 में शुरू हुआ जब मेरे चाचा रमेश पटेल, जो पांच भाई-बहनों में सबसे बड़े थे, एक कार्यक्रम में शामिल हुए जहां सत्य साईं बाबा ने कहा था रक्त तरल प्रेम है, इसे दूसरों में प्रवाहित करें। बाबा के संदेश से प्रभावित होकर, मेरे चाचा ने उसी वर्ष यहां पहली

बार एक मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया ताकि रेड क्रॉस को थैलेसीमिया रोगियों को रक्त उपलब्ध कराने में मदद मिल सके। इससे परिवार के अन्य सदस्यों को नियमित रक्तदाता बनने की प्रेरणा मिली। वे अब अपने घर पर हर तीन महीने में रक्तदान शिविर आयोजित करते हैं और रिश्तेदारों और दोस्तों को आमंत्रित करते हैं। वहीं 76 वर्षीय रमेश पटेल 94 बार रक्तदान कर चुके हैं। उनके भतीजे मौलिन ने कहा कि आयु सीमा और स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उन्होंने कुछ साल पहले रक्तदान करना बंद कर दिया था। उन्होंने कहा, हम सभी 27 सदस्यों ने अब तक लगभग 1,400 यूनिट रक्तदान किया है, जो लगभग 630 लीटर के करीब है, क्योंकि एक यूनिट में आमतौर पर 450 मिली लीटर रक्त होता है।

अहमदाबाद में 130 से ज्यादा शतकवीर रक्तदाता

परिवार के अन्य तीन शताब्दी रक्तदाता रमेश पटेल की बेटी डिंपल, बेटा अमूल और रमेश पटेल के भाई भरत पटेल हैं। अहमदाबाद रेड क्रॉस के मानद अध्यक्ष मुकेश पटेल ने पटेल परिवार के असाधारण रिकॉर्ड की सराहना की। प्रसिद्ध कर सलाहकार मुकेश पटेल ने कहा कि भारत में रक्तदान आंदोलन की शुरूआत 1963 में अहमदाबाद से हुई थी और इसके अग्रदूतों में डॉ. वीजी मावलंकर और डॉ. वीके वाणी शामिल थे। उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों में शहर के लोग इसमें शामिल हुए और इसकी गति को बनाए रखा है। लोगों को रक्तदान पर गर्व होने लगा। अहमदाबाद शहर में अब भारत में सबसे अधिक 130 शताब्दी रक्तदाता हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569